RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-13 अंक: 45 ता. 10 अगस्त 2024, शनिवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

जगह-जगह से दरक रहा है उत्तराखंड

जोशीमठ के बाद अब नैनीताल मे भू-स्वखलन

नैनीताल। नैनीताल से 8 किलोमीटर दूर स्थित खूपी गांव की पहाड़ी की तलहटी मे भू-स्वखलन होने की घटना सामने आई है। पिछले वर्ष जोशीमठ में जिस तरह जमीन धसने के बाद मकान गिरना शुरू हो गए थे। लगभग वही स्थिति अब नैनीताल के आसपास जमीन धसने की घटनाएं हो रही हैं। नैनीताल जिले के खूपी गांव के 6 मकान पूरी तरह से गिरने के कगार पर हैं। इस गांव के 19 घरों की दीवारों में दरार पैदा हो चुकी है। इस गांव की सबसे बड़ी खासियत यह है, कि यहां पर चीड़ के सुंदर पेड़ हैं। गांव के सीढ़ीदार खेत और यहां का सुंदर नजारा देखने के लिए दूर-दूर से पर्यटक आते हैं। अब उत्तराखंड के इस गांव में भूस्खलन होने की घटना के बाद गांव के लोगों में दहशत फैल गई है। लोग अपने-अपने घरों को छोड़कर सुरक्षित ठिकाने की तलाश कर रहे हैं। यहां का जनजीवन असामान्य हो गया है। जिला प्रशासन ने एक टीम यहां पर भेजी है। जो सर्वे कर रही है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला प्रशासन ने 15 करोड रुपए के ट्रीटमेंट की एक योजना बनाई है। जिस राज्य सरकार को भेजी है। जिस तरह से उत्तराखंड के विभिन्न क्षेत्रों में भू-स्वखलन के कारण पहाड़ और जमीन धसक रही है। उससे उत्तराखंड के लोगों में भय का वातावरण बन गया है। उत्तराखंड में जिस तरह के विकास कार्य हो रहे हैं। उसके बाद से यहां पर प्राकृतिक आपदा बढ़ती ही चली जा रही है। जिसको लेकर अब एक नई चिंता यहां के लोगों में देखने को मिल रही है।

भारत छोड़ो आंदोलन की वर्षगांठ पर लोकसभा में आंदोलनकारियों को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। लोकसभा में भारत छोड़ो आंदोलन की स्मृति में आंदोलनकारियों के त्याग और बलिदान को याद करते हुए उनके प्रति शुक्रवार को सम्मान व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की गई। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन की कार्यवाही शुरू होते ही सदस्यों को यह सूचना दी और सेनानियों को श्रद्धांजलि देते हुए उनके सम्मान में दो मिनत का मौन रखा। उन्होंने कहा कि आज पूरा देश भारत छोड़ो आंदोलन की 82वीं जयंती मना रहा है। आज के दिन राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने 1942 में पूरे देश को एकजुट करने का आह्वान किया था और देशवासियों को करो या मरो का मंत्र देकर अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन का नारा दिया था। इस आंदोलन में युवा, महिलाएं और सभी जातियों के लोगों ने एकजुट होकर भागीदारी की और ब्रिटिश सरकार की शक्तियों के खिलाफ एकजुटता का परिचय दिया था। जिन आदर्शों और मूल्यों के लिए स्वतंत्रता सेनानियों ने अपना बलिदान दिया उनके कार्यों की प्रति सदन आज अपना सम्मान व्यक्त करता है और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

सरकार स्वास्थ्य योजना के तहत सुविधा देती है, जाति का डेटा नहीं रखती

नई दिल्ली। सरकार आज लोकसभा में साफ कहा कि कई स्वास्थ्य योजना के तहत वह रोगियों को सुविधा उपलब्ध कराती है और उसके पास उनकी जातियों का विवरण नहीं होता है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने लोकसभा में कहा कि सरकार के पास आयुष्मान भारत और अन्य योजनाओं के तहत लाभ पाने वाले सभी लोगों का डाटा उपलब्ध है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि आयुष्मान भारत जन आरोग्य योजना के तहत व्यक्तियों की पहचान नहीं की जाती है। इसमें किस जाति और किस वर्ग का व्यक्ति है इसका विवरण सरकार नहीं रखती है वह सिर्फ योजना के तहत स्वास्थ्य लाभ पाने वालों का डेटा सरकार के पास है। महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर के बारे में पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि सरकार ने एक लाख 700 आरोग्य केंद स्थापित किए हैं जहां रोगियों की जांच की जाती है।

बाबा रामदेव की पतंजलि बेचेगी कीटनाशक मुक्त खाद्यान्न

हरिद्वार । पतंजलि ने खाद्यान्न में कीटनाशक को लेकर शोध शुरू किया है। पतंजलि ने जो रिसर्च की है। उसकी रिसर्च माइक्रो केमिकल जर्नल में छपने का दावा किया गया है। आचार्य बालकृष्ण ने दावा किया है। रिसर्च के माध्यम से लोग खुद ही खाद्यान्न की गुणवत्ता को जान सकेंगे। अभी खाद्यान्न का बिना सोचे समझे उपयोग कर रहे हैं। इसमें कीटनाशक अत्यधिक मात्रा में है। जिसके कारण खाद्य पदार्थ दूषित हो गए हैं। दाल, अनाज, दूध, मसाले, घी, फल, सब्जी में पेस्टिसाइड की मात्रा अधिक होने के कारण इसका असर बीमारियों के रूप में सामने आ रहा है। शरीर को नियमित रूप से प्रोटीन, वसा, कार्बोहाइड्रेट, विटामिन और खनिज लवण मिलते रहें। इसके लिए पतंजलि मिलावट रहित स्वदेशी खाद्य पदार्थ तैयार कर रही है। पतंजलि की नई रिसर्च के बाद मिलावटी खाद्यान्न और रसायनों से छुटकारा मिलने की बात कही जा रही है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार पतंजलि खाद्यान्न व्यवसाय में बड़ी तेजी के साथ बाजार में उतरने की तैयारी कर रही है। इसके लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

सीबीआई ने वॉट्सऐप यूजर्स किया सावधान!

एक भूल से हो सकता है अकाउंट खाली

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने ऑनलाइन धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों के बारे में एक्स पर एक पोस्ट शेयर किया है और यूजर्स से सतर्क रहने को भी कहा है। सीबीआई ने लिखा है 'सीनियर सीबीआई ऑफिसर्स के नाम और पद का दुरुपयोग करने वाले स्कैम को लेकर कृपया सतर्क रहें।

ठगों द्वारा सीबीआई डायरेक्टर सहित सीबीआई अधिकारियों के हस्ताक्षर वाले नकली दस्तावेजों के साथ-साथ नकली वारंट/समन को धोखाधड़ी करने के लिए सर्कुलेट किया जा रहा है। इन्हें ठग इंटरनेट/ईमेल/वॉट्सऐप आदि पर सर्कुलेट कर रहे हैं।' एक और पोस्ट में केंद्रीय जांच एजेंसी ने लोगों को इफॉर्म किया है कि ठग, लोगों से पैसे ऐंठने के लिए वॉट्सऐप के जरिए कॉल करने के लिए सार्वजनिक तौर पर मौजूद सीबीआई लोगो का भी अपने डिस्प्ले पिक्चर के तौर पर इस्तेमाल कर रहे हैं। सीबीआई ने एक्स पर पोस्ट किया है, 'सार्वजनिक तौर पर उपलब्ध सीबीआई लोगो का कुछ अपराधी अपने डिस्प्ले पिक्चर के रूप में दुरुपयोग कर रहे हैं, ताकि वे लोगों से पैसे ऐंठने के लिए खास तौर पर वॉट्सऐप के जरिए कॉल कर सकें। ऐसे में लोगों को सतर्क रहने और ऐसे घोटालों का शिकार न बनने की सलाह दी जाती है। इस तरह के किसी भी प्रयास की तुरंत स्थानीय पुलिस को सूचना दी जानी चाहिए।'सीबीआई ने जानकारी दी है कि ऐसी घटनाएं बढ़ रही हैं, जिसमें लोगों को एजेंसी से होने का दावा करते हुए फर्जी कॉल, ईमेल या मैसेज मिले हैं। ये ठग अक्सर पीड़ितों को पैसे की ठगी डिमांड पूरी न करने पर कानूनी कार्रवाई या गिरफ्तारी की धमकी देते हैं।

एजेंसी ने लोगों से आग्रह किया है कि वे सतर्क रहें और सीबीआई से होने का दावा करने वाले किसी भी कम्युनिकेशन से डील करते वक्त सावधानी बरतें। एजेंसी ने कहा है असली सीबीआई अधिकारी कभी भी फोन या ईमेल के जरिए पर्सनल या फाइनेंशियल इंफॉर्मेशन नहीं मांगेंगे। बता दें कि सीबीआई ने धोखाधड़ी की बढ़ती गतिविधियों में जनता को कड़ी चेतावनी जारी की है। अब ठग पैसे ऐंठने के लिए सीबीआई अधिकारियों का रूप धारण कर रहे हैं। ये अपराधी एजेंसी के लोगो और वरिष्ठ अधिकारियों के नाम का इस्तेमाल ट्रस्ट पैदा करने और पीड़ितों को धोखा देने के लिए कर रहे हैं। इसे लेकर सीबीआई ने वॉर्निंग जारी की है।

कड़वाहट को भुलाकर फिर मजबूत रिश्ते बनाएंगे भारत-मालदीव

भारत के विदेश मंत्री जयशंकर तीन दिवसीय यात्रा करेंगे, मुइज्जू से मिलेंगे

नई दिल्ली। भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर 9 से 11 अगस्त तक मालदीव की तीन दिवसीय यात्रा रहेंगे। यह यात्रा दोनों देशों के बीच मजबूर रिशतों को रेखांकित करती है और मालदीव के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज्जू की हाल ही में भारत यात्रा के तुरंत बाद हो रही है जहां उन्होंने मोदी सरकार के नए मंत्रिमंडल के शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लिया था। डॉ. जयशंकर की यह यात्रा रणनीतिक रूप से अहम है, क्योंकि दोनों देशों के बीच कूटनीतिक संबंधों में हाल ही में हुए राजनीतिक बदलावों के बीच मालदीव के साथ अपनी साझेदारी को मजबूत करने की भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों के बीच घनिष्ठ साझेदारी को मजबूत करना और द्विपक्षीय संबंधों को और आगे बढ़ाने के लिए रास्ते तलाशना है। भारत के विदेश मंत्री जयशंकर मालदीव के विदेश मंत्री मूसा जमीर के साथ आधिकारिक बातचीत करेंगे। यह बातचीत द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा और आपसी हितों के अन्य क्षेत्रों की पहचान करने पर केंद्रित होगी। दोनों मंत्री हाई इम्पैक्ट कम्युनिटी डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स पहल और भारत के एविजम बैंक द्वारा प्रदान की गई लाइन ऑफ क्रेडिट सुविधा के तहत कई पूरी हो चुकी परियोजनाओं के उद्घाटन की अध्यक्षता भी करेंगे। निर्माण, वाणिज्य और व्यापार जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर एमओयू भी होगा, जिससे भारत और मालदीव के बीच मजबूत संबंधों को और मजबूत करने की उम्मीद है। ये समझौते दोनों देशों के बीच आर्थिक और विकासात्मक सहयोग को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाएंगे। अपनी आधिकारिक व्यस्तताओं के बावजूद जयशंकर उच्च स्तरीय यात्रा के दौरान राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज्जू से शिष्टाचार मुलाकात भी करेंगे। यह यात्रा जयशंकर की मालदीव की पहली आधिकारिक यात्रा है, जब से उन्होंने जून 2024 में दूसरे कार्यकाल के लिए पदभार संभाला है। जयशंकर ने पिछली मालदीव यात्रा जनवरी 2023 में की थी।

प्रयागराज में लगातार बढ़ रहा गंगा और यमुना का जलस्तर

प्रयागराज। (एजेंसी)

प्रयागराज में गंगा और यमुना दोनों नदियों का जलस्तर बीते चार-पांच दिनों से लगातार बढ़ रहा है। पिछले 24 घंटे में गंगा नदी का फाफामऊ में जलस्तर 271 सेंटीमीटर और छतनाग में 65 सेंटीमीटर बढ़ा है, जबकि यमुना नदी का नैनी में जलस्तर 46 सेंटीमीटर बढ़ा है। कंट्रोल रूम से गंगा और यमुना नदियों के जलस्तर पर नजर रखी जा रही है। शहरी और ग्रामीण इलाकों में बाढ़ से हजारों लोगों के घिरने के बाद एनडीआरएफ और एसडीआरएफ ने मोर्चा संभाल लिया है। बाढ़ का पानी अब झूंसी इलाके के बदरा सोनौटी सहित कई गांवों में प्रवेश कर गया है।

बारिश की वजह से प्रदेश भर में सात मौतें

गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में पिछले 24 घंटे के दौरान बारिश से जुड़ी घटनाओं में सात लोगों की मौत हो गई। राज्य के नौ जिले अब भी बाढ़ से प्रभावित हैं। बयान के मुताबिक, बलिया, फर्रुखाबाद, सीतापुर, बिजनौर, वाराणसी, बांदा, बुलंदशहर, प्रयागराज और बाराबंकी अब भी बाढ़ की चपेट में हैं। बिजली गिरने, डूबने, आग लगने और सांप के काटने से प्रतापगढ़ में तीन और श्रावस्ती में दो लोगों की मौत हुई, जबकि गाजियाबाद और चित्रकूट में से एक-एक व्यक्ति की मौत हो गई।

मेघालय और मिजोरम की सीमा में विशेष सतर्कता

- मिजोरम में 2 महीने के लिए बॉर्डर सील

नई दिल्ली । (एजेंसी)

बांग्लादेश में तख्ता पलट होने के बाद सीमावर्ती राज्यों में बांग्लादेश से शरणार्थियों का प्रवेश होने की संभावना को देखते हुए, विशेष प्रावधान किए गए हैं। सीमा सुरक्षा बल को विशेष निर्देश दिए गए हैं।

मेघालय सीमा पर 4 किलोमीटर क्षेत्र की आवाजाही पर प्रतिबंध

मेघालय में बांग्लादेश की सीमा से 4 किलोमीटर क्षेत्र में आबजाही पर प्रतिबंध लगाया गया है। 443 किलोमीटर लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर लगभग 80 किलोमीटर क्षेत्र मेघालय का है। इसके 4 किलोमीटर तक की आवाजाही पर सीमा सुरक्षा बल की जवान तैनात हैं। जो शरणार्थियों पर नजर रख रहे हैं। बांग्लादेश की ओर से आने वालों पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया है। बांग्लादेश से किसी को भी आने की इजाजत नहीं दी जा रही है।

2 महीने के लिए मिजोरम की बॉर्डर सील

मिजोरम की राजधानी आइजोल से 273 किलोमीटर लम्बा लांगतलाई का बॉर्डर पूरी तरह सूना पड़ा रहता है। राज्य सरकार ने शाम 6 बजे से सुबह 6 बजे तक बॉर्डर के 3 किलोमीटर एरिया की आवाजाही पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दी है। यह प्रतिबंध अगले 2 महीने तक जारी रहेगा। बांग्लादेश की बॉर्डर से आने और जाने पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया है। यह इलाका बांग्लादेश के चटगांव और बंदरवान से जुड़ा हुआ है।

पहाड़ियों से चलकर यहां पर घुसपैठ होती है। सीमा सुरक्षा बल की जवान घुसपैठ को रोकने के लिए पूरी तरह से सतर्क हैं।बांग्लादेश से सटे हुए 318 किलोमीटर के इलाके में बीएसएफ के जवान तैनात किए गए हैं। 2 महीने तक आवाजाही पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है।

एक साल बाद खुले भगवान नागचंद्रेश्वर के पट, भक्तों की लगी भीड़

उज्जैन। (एजेंसी)

सावन के महीने में नागपंचमी का पर्व बड़े ही धूमधाम से मनाया जा रहा है। उज्जैन में महाकालेश्वर मंदिर में स्थित भगवान नागचंद्रेश्वर के पट परंपरा के मुताबिक रात 12 बजे खोले गए। मंदिर में रात से बराबर श्रद्धालु दर्शन कर रहे हैं। दर्शन का यह सिलसिला 24 घंटे तक चलता रहेगा। नागचंद्रेश्वर के साथ ही बाबा महाकाल के दर्शन करने भक्तों की भीड़ उमड़ रही है। बाबा महाकाल के दरबार में नाग पंचमी पर्व पर नागचंद्रेश्वर भगवान के दर्शन करने के लिए श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। 12 साल में एक बार रात को नागचंद्रेश्वर के पट पूजन के बाद खोले गए। भगवान नागचंद्रेश्वर का जल दूध दही घी से पंचामृत अभिषेक किया गया जिसके बाद श्रद्धालुओं ने दर्शन करना शुरू किए। शाम को पंडित पुजारियों द्वारा पूजन पाठ किया जाएगा देर रात 12 बजे मंदिर का पट फिर से बंद कर दिया जाएगा जो एक साल बाद खुलेगा।

महाकालेश्वर मंदिर में नागपंचमी पर भगवान नागचंद्रेश्वर के दर्शन की महत्ता है। यहां महाकाल मंदिर के शीर्ष पर भगवान नागचंद्रेश्वर का प्राचीन मंदिर है।

इस मंदिर में नाग पर विराजे शिव-पार्वती की दुर्लभ मूर्ति है। मान्यता है कि मंदिर में नागचंद्रेश्वर की प्रतिमा के दर्शन और पूजन से शिव-पार्वती प्रसन्न होते हैं साथ ही सर्प भय से भी मुक्ति मिलती है। नागपंचमी पर नाग को दूध पिलाने की भी परंपरा है इसलिए श्रद्धालु यहां नाग की प्रतिमा पर दूध चढ़ाते हैं। उज्जैन का नागचंद्रेश्वर मन्दिर में स्थित मूर्ति 11वीं शताब्दी के परमार काल की हैं। नागचंद्रेश्वर मंदिर में स्थापित प्रतिमा में शेषनाग की सैय्या पर भगवान शिव और पार्वती के साथ भगवान गणेश और कार्तिक भी विराजित है। बताया जाता है की यह प्रतिमा नेपाल से लाई गई थी। भगवान महाकाल के दरबार में स्थित नागचंद्रेश्वर का मंदिर साल में केवल एक बार ही खुलता है।

भारत-पाक सीमा पर फिर मिला जिंदा हैंड ग्रेनेड

ग्रामीणों में दहशत

जैसलमेर। (एजेंसी)

भारत-पाक सीमा पर स्थित म्याजलार गांव में मिले जिंदा हैंड ग्रेनेड ने एक बार फिर से सीमावर्ती इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह मामला उस वक्त सामने आया जब एक चरवाहा अपने जानवरों को चराने के लिए गांव से करीब एक किलोमीटर दूर सुनसान इलाके में गया था। अचानक उसकी नजर जमीन पर पड़े एक अजीबोगरीब चीज पर पड़ी। पास जाकर देखने पर पता चला कि यह एक जिंदा हैंड ग्रेनेड है।

चरवाहे ने तुरंत इसकी सूचना ग्रामीणों को दी, जिन्होंने फौरन म्याजलार पुलिस को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। बाद में, बीएसएफ के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और बम निरोधक दस्ते को सूचित किया गया। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए बम को सुरक्षित तरीके से मिट्टी के कट्टों से ढक दिया है और किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए एक पुलिसकर्मी को वहां तैनात कर दिया गया है। थाना प्रभारी नरेंद्र सिंह ने बताया कि उन्होंने इस बम को सुरक्षित रखकर मिट्टी के कट्टों से ढक दिया है। साथ ही एक पुलिसकर्मी की ड्यूटी भी वहां लगा दी है ताकि कोई इसे छूने का प्रयास न करें। प्रारंभिक जांच में यह अनुमान लगाया जा रहा है कि यह बम किसी सैन्य अभ्यास के दौरान छूटा होगा। पुलिस ने भारतीय सेना को भी इसकी सूचना दे दी है। बम निरोधक दस्ते के पहुंचने के बाद ही बम को निष्क्रिय किया जा सकेगा।चिंता की बात यह है कि यह घटना कोई पहली बार नहीं हुई है। करीब 13 दिन पहले भी म्याजलार गांव से लगभग 10 किलोमीटर दूर एक चरवाहे को एक एंटी-पर्सनल लैंडमाइन मिली थी। उस समय भी पुलिस और बीएसएफ के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर माइन को रेत के कट्टों से ढक दिया था और दो पुलिसकर्मियों को उसकी निगरानी में तैनात कर दिया था। हालांकि, 13 दिन बाद भी उस माइन को निष्क्रिय नहीं किया जा सका है। अब एक बार फिर से बम मिलने से क्षेत्र के लोगों में दहशत का माहौल है।

हाईकोर्ट ने सरकार से पूछा- प्यार-डेटिंग में सिर्फ लड़के ही गिरफ्तार क्यों होते हैं

नैनीताल। (एजेंसी)

अधिकांश मामलों में कहीं भी लड़के लड़कियां प्यार या डेटिंग के मामले में पकड़े जाते हैं तो केवल लड़के ही गिरफ्तार क्यों होते है। ये सवाल उत्तराखंड हाईकोर्ट ने सरकार से किया है। सिर्फ लड़के को गिरफ्तार किए जाने के विरुद्ध दायर जनहित याचिका पर सुनवाई की। इस दौरान सरकार की ओर से मामले में जवाब प्रस्तुत करने के लिए अतिरिक्त समय मांगा गया। जिस पर कोर्ट ने समय देते हुए अगली सुनवाई तीन सप्ताह बाद तय कर दी। पिछली सुनवाई के दौरान भी कोर्ट ने मामले में केंद्र व राज्य सरकार से जवाब मांगा था। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति ऋतु बाहरी व न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल की खंडपीठ में अधिवक्ता मनीषा भंडारी की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई हुई। जिसमें कहा गया है कि नाबालिग लड़के-लड़कियों के प्यार के मामले में हमेशा लड़के को ही दोषी माना जाता है। जबकि कुछ मामलों में लड़की भी बड़ी होती है।

तब भी लड़के को ही हिरासत में लिया जाता है और उसे अपराधी बनाकर जेल में डाल दिया जाता है। जबकि उसकी गिरफ्तारी के बजाय काउंसलिंग होनी चाहिए। जिस उम्र में उसे स्कूल-कालेज में होना चाहिए, वह जेल में होता है।जुवेनाइल जस्टिस एक्ट के तहत ऐसे मामले में लड़के-लड़कियों व स्वजन की काउंसलिंग की जानी चाहिए। जबकि भारतीय दंड संहिता (अब भारतीय न्याय संहिता) में 16 से 18 साल की उम्र वालों को दंड देने के बजाय उनकी मानसिक स्थिति को जानने के लिए बोर्ड का गठन करने का प्रविधान है। इसके विपरीत पाक्सो एक्ट के कुछ धाराओं में उन्हें जेल भेज दिया जाता है। यह सोचनीय विषय है। इसलिए इस पर विचार किया जाना आवश्यक है।

पुलिस को सूचना दिए बिना विदेशियों को फ्लैट किराये पर....मकान मालिक के खिलाफ एफआईआर

गुरुग्राम । (एजेंसी)

बिना पुलिस को सूचना दिए हाईटैक सिटी गुरुग्राम में विदेशियों को फ्लैट किराये पर दिए जा रहे हैं। स्वतंत्रता दिवस से पहले जांच शुरू हुई, तब कई मामले सामने आए। सेक्टर-80 की गोदरेज फ्रंटियर सोसायटी के आठ फ्लैटों में 16 विदेशी नागरिक रह रहे थे। जांच में सामने आया कि किसी भी फ्लैट मालिक ने विदेशी नागरिक को अपने यहां ठहराने की सूचना पुलिस को नहीं दी थी। इसकारण सभी आठ फ्लैट मालिकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। एक सप्ताह के दौरान करीब 34 एफआईआर अलग-अलग थानों में दर्ज की जा चुकी हैं।

दूसरे मामले में पॉश एरिया डीएलएफ फेज-4 के एक मकान में कार्रवाई की गई। यहां थाईलैंड की चार युवतियों को ठहराया गया था। विदेशी लड़कियों के यहां ठहरने की सूचना सी फॉर्म भरकर पुलिस को नहीं दी गई थी।

पुलिस को सूचना मिली कि डीएलएफ फेज-4 के मकान नंबर 3011 में विदेशी युवतियां ठहरी हुई हैं। पुलिस टीम पहुंची तब मकान के अंदर काउंटर पर एक व्यक्ति मिला। उसकी पहचान ओडिशा के खुर्दा के अरुण कुमार मोहंती के तौर पर हुई। अरुण ने बताया कि मकान किराये पर लेकर वह देखरेख करता हूं।

मकान मालिक दिल्ली के कृष्णलाल अरोड़ा बताए गए। मकान की पहली मंजिल पर पुलिस ने चेक किया, तब थाईलैंड मूल की चार युवतियां मिलीं। सभी के पासपोर्ट व वीजा पुलिस टीम ने चेक किए। इसके बाद अरुण से विदेशियों को यहां ठहराने के लिए पुलिस को सूचना देने में जरुरी फॉर्म की डिटेल मांगी गई। वह कागजात नहीं दिखा सका। इस पर केस दर्ज किया गया।

मकान, पीजी, गेस्ट हाउस मालिक अपने यहां रह रहे विदेशी नागरिक के रहने की सूचना ऑनलाइन भी दे सकते हैं। इसके लिए कहीं जाकर सूचना व डिटेल देना जरूरी नहीं है। जब भी कोई विदेशी नागरिक ठहरता है, तब उसका सी-फॉर्म अवश्य भरें। स्वतंत्रता दिवस को लेकर पुलिस कमिश्नर विकास अरोड़ा के निर्देश पर विभाग की ओर से शहर में कानून व्यवस्था व शांति बनाए रखने को लेकर आदेश जारी किए गए हैं। इसके तहत सभी पार्किंग ठेकेदारों को सभी वाहनों (कार, स्कूटर, मोटरसाइकल आदि) को पार्किंग में खड़ा करने से पहले अच्छी तरह चेक करने को कहा गया है।

ब्रिटिश सरकार पर फूटा संजू बाबा का गुस्सा....पहले स्वीकार फिर रद्द किया मेरा वीजा

नई दिल्ली । (एजेंसी)

अभिनेता संजय दत्त ने उन अटकलों पर अपनी प्रतिक्रिया दी है, जिसमें कहा गया है कि उनका यूके वीजा रद्द कर दिया गया है। हालांकि इस बारे में चौंकाने वाली रिपोर्ट सामने आई है। वहीं संजय दत्त ने अपने वीजा कैंसिल होने पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि ये कोई कैसे कर सकता है। उन्होंने स्वीकार किया कि उनका वीजा कैंसिल कर दिया गया है, जबकि उन्होंने सभी नियम और कानून के आदेश को फॉलो किया था। फिर भी उनका वीजा खारिज कर दिया गया।

संजू बाबा ने कहा, 'यूके अधिकारियों ने जो किया वह सही नहीं था। शुरू में, उन्होंने मुझे वीजा दिया और वहां सब पे भी हो गया था। सब कुछ बिल्कुल सही और एकदम तैयार था। फिर, एक महीने बाद, उन्होंने मेरा वीजा रद्द कर दिया। मैंने उन्हें सभी जरूरी डॉक्यूमेंट दिए थे। उन्होंने मुझे पहले स्थान पर वीजा क्यों दिया? और उन्हें अपने कानूनों को याद करने में एक महीना क्यों लगा?'

संजय ने खुलासा किया कि उन्होंने एक माह पहले उनका वीजा स्वीकार किया, वे सारी बुकिंग भी कर चुके थे, लेकिन बाद में रिजेक्ट क्यों कर दिया गया। मैं कानून का पालन करने वाला नागरिक हूं और मैं हर देश के कानून का सम्मान करता हूं। फिर भी मैं समझ नहीं पा रहा है। ऐसा क्यों हुआ।

संजय का वीजा खारिज होने के कारण की कहानी काफी पुरानी है। मामला 31 साल पुराने केस से जुड़ा हुआ है। बात दें कि अप्रैल 1993 में संजय को टाडा और आर्म्स एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया था। बाद में 1993 के बॉम्बे बम धमाकों में अन्य आरोपियों से खरीदे गए अवैध हथियारों को रखने के लिए आर्म्स एक्ट के उल्लंघन के लिए दोषी पाया गया था। उन्हें पांच साल की जेल की सजा सुनाई गई थी।

बच्चा चोरी गैंग मामले में हुई गंभीर खुलासे.....जन्म से पहले ही सौदा

-गैंग टारगेट सेट कर बच्चे चोरी करते

गाजियाबाद । (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद से बच्चा चोरी गैंग के पकड़े जाने के बाद कई खुलासे हो रहे हैं। पुलिस पूछताछ में पता चला है कि बच्चे को चोरी करने से पहले उस पर नजर रखी जाती थी। इतना ही नहीं कुछ मामलों में ऑर्डर के अनुसार जन्म से पहले ही गैंग टारगेट सेट कर लेता था। अस्पताल के पास से 5 अगस्त को बच्चा चोरी होने के मामले में पुलिस ने 4 महिलाओं सहित 5 को गिरफ्तार किया था। मामले में चार अन्य आरोपियों के नाम सामने आए हैं। गैंग ने जिस बच्चे को गुलथर से चोरी किया था, उस बच्चे को बरामद करने के लिए दिल्ली में टीम काम कर रही है। पुलिस ने बताया कि बच्चा चोरी होने के बाद सुलेखा को जानकारी दी जाती थी। सुलेखा बच्चे को वीडियो कॉल पर देखती थी। उसकी मंजूरी के बाद ही बच्चे को बेचने की योजना होती थी। एमएमजी अस्पताल से चोरी हुए निहाल के मामले में भी ऐसा ही हुआ था। सुलेखा ने चोरी के बाद वीडियो कॉल पर निहाल को देखा था। वहीं, पूछताछ में पता चला है कि गैंग बच्चे की सेहत से लेकर उसके वैक्सीनेशन तक पर नजर रखते थे। पुलिस जांच में पता चला है कि आरोपी बच्चों के वैक्सीनेशन तक की डिटेल लेते हैं। गैंग बच्चों की पूरी जानकारी जुटाकर उन्हें चोरी करता था।

डिलिवरी के आसपास बढ़ाया था संपर्क

आरोपी महरौली में निहाल के माता-पिता विक्की और सृष्टि के साथ ही किराये पर रहते हैं। विक्की की मां ने बताया कि फूलबाई और उसकी बेटी ने उनकी बहू सृष्टि से ज्यादा संपर्क उसकी डिलिवरी के आसपास किया था। अचानक उससे ज्यादा बातें करनी शुरू कर दीं। फूलबाई ने ही सृष्टि को अपनी बेटी कविता के साथ अस्पताल भेजा था। पुलिस पूछताछ में जन्म से पहले ही बच्चे का सौदा होने की बात सामने आई है।

राजस्थान से वेणुगोपाल की सीट खाली.....भाजपा की जीत पक्की

सतीश पूनिया, राजेंद्र राठौड़ और अरुण चतुर्वेदी का नाम चर्चा में

जयपुर । (एजेंसी)

केंद्रीय चुनाव आयोग ने राजस्थान में खाली हुई राज्यसभा की एक सीट को लेकर चुनाव कार्यक्रम घोषित कर दिया है। यह सीट कांग्रेस के केसी वेणुगोपाल के लोकसभा चुनाव जीतने के बाद खाली हुई है। इसके चलते 3 सितंबर को राज्यसभा सीट के लिए होने वाले चुनाव को लेकर सियासी गलियारों में हलचल तेज हो गई है। राज्यसभा चुनाव में बीजेपी और कांग्रेस की ओर से कौन-कौन उम्मीदवार हो सकते हैं? इस लेकर सियासी कयास तेज हो गए हैं। इधर, बीजेपी की तरफ से पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया और राजेंद्र राठौड़ का नाम काफी सुर्खियों में चल रहा है।

वेणुगोपाल के लोकसभा चुनाव जीतने के बाद खाली हुई राज्यसभा सीट को लेकर माना जा रहा है कि संख्या बल के आधार पर बीजेपी की जीत तय है। इस लेकर अब बीजेपी अपनी रणनीति में जुटी हुई है। कई उम्मीदवारों के नाम सुर्खियों में है। इसमें पूर्व प्रदेश अध्यक्ष पूनिया का नाम भी है। विधानसभा चुनाव से पहले उन्हें प्रदेश अध्यक्ष से हटाया गया था। इसके कारण जाट समाज में नाराजगी भी देखी गई। इसके बाद बीजेपी को विधानसभा और लोकसभा चुनाव दोनों में नुकसान उठाना पड़ा। अब सियासी चर्चा है कि बीजेपी जाट समाज की नाराजगी और पूनिया को बड़ी सौगात देकर राज्यसभा सीट पर उम्मीदवार घोषित कर सकती है। हालांकि पूनिया अभी हरियाणा के बीजेपी प्रभारी है। इस बीच राजेंद्र राठौड़ का नाम भी चर्चा में शामिल हो चुका है। हालांकि राठौड़ पिछले विधानसभा चुनाव में तारानगर विधानसभा सीट से चुनाव हार चुके हैं। इसके बाद उनके लोकसभा चुनाव में भी उतारे जाने की काफी चर्चा चली, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अब सियासी चर्चा है कि बीजेपी राजपूत समाज के चेहरे पर अपना दांव खेल सकती है। राठौड़ लगातार सात बार के विधायक चुने गए, लेकिन आठवीं बार उनकी हार हुई।

बांग्लादेश ने भारत को दिखाई आंख..... बिजली सप्लाई रोक देगा अडानी समूह

नई दिल्ली । (एजेंसी)

बांग्लादेश में नई सरकार का गठन हो गया। नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस ने अंतरिम सरकार के मुखिया के तौर पर बांग्लादेश की कमान संभाल ली। बांग्लादेश की कमान भले ही यूनुस संभाल रहे हैं, मगर पर्दे के पीछे सरकार सेना ही चला रही है। यूनुस शेख हसीना के कटु आलोचक और विरोधी माने जाते हैं। इसके बाद संभावना है कि भारत संग बांग्लादेश के रिश्ते पहले की तरह न रहे। हालांकि, हकीकत यह भी है कि बांग्लादेश चाहकर भी भारत से दुश्मनी नहीं मोल सकता। इसकी सबसे बड़ी वजह यही है कि भारत के कारण ही बांग्लादेश की दुनिया रोशन है। भारत बांग्लादेश को बिजली का बड़ा हिस्सा देता है। इसके लिए वहां भारत की तरफ से बाकायदा प्लांट लगाया गया हैं। जी हां, बांग्लादेश को भारत की वजह से बिजली मिलती है। इसके लिए भारत की कंपनियों से उसका करार है। भारत में बांग्लादेश को मुख्यतौर पर बिजली की सप्लाई अडानी पावर लिमिटेड कंपनी करती है। अडानी पावर लिमिटेड का बांग्लादेश पावर डेवलपमेंट बोर्ड से पावर परचेज्ड एग्रीमेंट है। यह करार 2023 में हुआ था। इसके तहत बांग्लादेश को बिजली मिल रही है। भारत अगर बिजली सप्लाई रोक दे, तब पूरे बांग्लादेश में हाहाकार मच जाएगा। भारत से बांग्लादेश को जो बिजली मिल रही है, वह झारखंड में स्थित अडानी के थर्मल पावर प्लांट से मिल रही है। झारखंड के गोड्डा स्थित अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट से ही बांग्लादेश को बिजली मिल रही है।

इस प्लांट से बांग्लादेश को 1496 मेगावाट बिजली सप्लाई की जाती है। तब जाकर बांग्लादेश की जरूरत पूरी होती है। अभी बांग्लादेश में इतना बवाल हुआ, मगर भारत की ओर से बिजली सप्लाई में किसी तरह की बाधा नहीं पहुंचाई गई। बांग्लादेश अपनी जरूरत के लिए भारत से बिजली खरीदता है। खुद अडानी पावर लिमिटेड ने कहा कि बांग्लादेश में बवाल के बीच बिजली सप्लाई जारी रहेगी। मगर अब अगर भारत संग बांग्लादेश के रिश्ते खराब होते हैं, तब कपनी डील खत्म कर देगी है। इतना ही नहीं, एनटीपीसी ने बांग्लादेश में बिजली की जरूरतों पूरी करने के लिए 1320 मेगावाट का पावर प्लांट लगा रखा है।

ईडी, सीबीआई और विरोधियों के चक्रव्यूह में फंसते दिख रहे लालू के लाल तेजस्वी

रही सही कसर प्रशांत किशोर ने पूरी कर दी

पटना । (एजेंसी)

आरजेडी नेता और बिहार के पूर्व डेप्युटी सीएम तेजस्वी यादव चक्रव्यूह में फंसते जा रहे हैं। लैंड फॉर जॉब स्कैम में दाखिल सीबीआई की पूरक चार्जशीट तेजस्वी के गले की फांस बन गई है। तेजस्वी 17 अगस्त से बिहार के जिलों के दौरे पर निकलने की घोषणा कर चुके हैं। इसकी तैयारियां भी आरजेडी कर रही हैं। दरअसल आरजेडी की चिंता लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद बढ़ गई है। मजबूत गठबंधन और आरजेडी के बड़े जनाधार के बावजूद 23 में सिर्फ चार सीटों पर ही जीत से चिंता स्वाभाविक है। आरजेडी की चिंता जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने भी बढ़ा दी है। दरअसल पीके के निशाने पर सबसे अधिक लालू के लाल तेजस्वी ही दिख रहे हैं। उनकी रणनीति जो अब तक सामने आई है, उससे आरजेडी के आधार वोट बैंक में बिखराव के खतरे बढ़ गए हैं। जेडीयू और भाजपा आरजेडी के पुराने दुश्मन ही रहे हैं।

जमीन के बदले नौकरी मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जो पूरक चार्जशीट दाखिल की है, उसमें तेजस्वी का भी नाम है। ईडी ने उन पर मनी लॉन्ड्रिंग का मामला कायम किया है। चार्जशीट में तेजस्वी यादव के अलावा उनके पिता लालू प्रसाद यादव सहित 11 लोगों आरोपी बनाए गए हैं। मामले की अगली सुनवाई 13 अगस्त को होगी। तेजस्वी अपने परिवार के खिलाफ केंद्रीय एजेंसी की रूटीन कार्रवाई बता रहे हैं, लेकिन तेजस्वी को मामले में गिरफ्तारी का भय भी सता रहा है। इस मामले की दो केंद्रीय एजेंसियां-सीबीआई और ईडी जांच कर रही है।

वहीं जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने बिहार की सियासत में जिस तरह का भूचाल ला दिया है, उसकी आहट अब स्पष्ट सभी राजनीतिक दल महसूस कर रहे हैं। इसमें सबसे अधिक चिंता आरजेडी कैंप में ही है। इसके पीछे वजह पीके के निशाने पर हमेशा ही तेजस्वी ही रहते हैं। तेजस्वी की योग्यता और उनके परिवार के शासन काल की नाकामियों को लेकर प्रशांत किशोर लोगों को न सिर्फ जागरूक करते रहे हैं, बल्कि आरजेडी के आधार वोट में सेंध लगाने का पुख्ता इंतजाम कर चुके हैं। आरजेडी मुसलमानों को अपना आधार वोट मानता है। आरजेडी के एम-वाई समीकरण का एक घटक मुसलमान ही हैं। प्रशांत ने मुसलमानों को अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में 75 सीटें देने का ऐलान कर आरजेडी नेताओं की नींद उड़ा दी है। इतना ही नहीं, प्रशांत किशोर से जन सुराज से जिस तरह आरजेडी के नेता जुड़ने लगे हैं, वह भी पार्टी के लिए चिंता का विषय है।

एनडीए में शामिल भाजपा, जेडीयू, लोजपा, हम (से) और आरएलएम के नेता पहले से तेजस्वी के विरोध में हैं। भाजपा के नेता यहां तक कहने लगे हैं कि सीबीआई और ईडी से तेजस्वी का बचना मुश्किल है। उनका जेल जाना तय है।

जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान जिस तरह के हमले तेजस्वी और उनके परिवार के खिलाफ किए, इससे साफ हैं कि जेडीयू तेजस्वी के प्रति किसी तरह की नरमी के मूड में नहीं है। तेजस्वी और उनके पिता लालू को अब भी उम्मीद है कि नीतीश कुमार विपक्षी इंडिया ब्लॉक के साथ आ जाएंगे।

भारत के 10 कारोबारी घरानों की संपत्ति 60 लाख करोड़

3 कारोबारियों की संपत्ति, सिंगापुर की जीडीपी के बराबर

नई दिल्ली । बार्कलेज प्राइवेट क्लाइंट और हारुन इंडिया ने संयुक्त रूप से भारत के 2700 करोड़ से अधिक संपत्ति धारण करने वालों की सूची तैयार की है। सूची के अनुसार भारत के 10 कारोबारी घरानों की संपत्ति 60 लाख करोड़ रुपए है। इस सूची में सबसे अमीर परिवार अंबानी समूह है। इसके पास 25.75 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति है। जो भारत की जीडीपी का 10 फीसदी है। अदानी समूह का नाम दूसरे नंबर पर है। अदानी परिवार के पास 15.44 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति है। सीरम इंस्टीट्यूट के पूनावाला परिवार के पास 2.37 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति है। इसके बाद दिलीज लैब वाला दिवी परिवार के पास 91200 करोड़ रुपए की संपत्ति है। भारत के यह चार कारोबारी सबसे बड़ी संपत्ति के मालिक हैं। सूची में शामिल 2700 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति धारण करने वाले धन कुबेरों की संपत्ति 1.3 लाख करोड़ डॉलर है। जो स्विट्जरलैंड और यूएई की जीडीपी से भी ज्यादा है।

सूची में जिन कारोबारी घरानों

को शामिल किया गया है। उनकी 75 फीसदी कंपनियां शेयर बाजार में सूचीबद्ध है। 25 फीसदी कंपनियां सूचीबद्ध नहीं हैं। कारोबारी परिवारों में महिलाओं का नेतृत्व भी बढ़ रहा है। देश के 3 शीर्ष कारोबारी परिवारों, जिसमें अंबानी बजाज और बिड़ला की संपत्ति 38.6 लाख करोड़ है। जो सिंगापुर की जीडीपी के बराबर है।

संक्षिप्त समाचार

हरियाणा में 15 अगस्त को गुड मॉर्निंग की जगह जय हिंद कहेंगे स्कूली बच्चे

चंडीगढ़ । हरियाणा के स्कूलों में को लेकर सैनी सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। आने वाले स्वतंत्रता दिवस से हरियाणा के स्कूलों में प्रतिदिन दी जाने वाली शुभकामनाओं में देशभक्ति का रंग दिखाई देगा। विद्यार्थी एक-दूसरे को और अपने अध्यापकों को गुड मॉर्निंग की जगह जय हिंद बोलकर बधाई देने को कहा गया है। विद्यालय शिक्षा निदेशालय ने जिला और ब्लॉक स्तर पर सभी शिक्षा अधिकारियों, प्रधानाचार्यों और प्रधानाध्यापकों को 15 अगस्त से गुड मॉर्निंग की जगह जय हिंद लिखने के निर्देश जारी किए हैं। राज्य सरकार ने विद्यार्थियों में देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव की गहरी भावना जगाने के लिए अभिवादन को बदलने का फैसला किया है। विभाग ने कहा, स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने से पहले निर्देशों का पालन किया जाना चाहिए। शिक्षा विभाग का कहना है कि एक-दूसरे को जय हिंद कहकर बधाई देने से विद्यार्थियों में हर दिन राष्ट्रीय एकता की भावना और हमारे देश के समृद्ध इतिहास के प्रति सम्मान की भावना पैदा होगी। नारे के इतिहास के बारे में विभाग ने कहा कि इसे नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने गढ़ा और लोकप्रिय बनाया, जब उन्होंने ब्रिटिश शासन के खिलाफ लड़ने के लिए आजाद हिंद फौज का गठन किया था।

डेलीगेटेड पेमेंट सर्विस....अब आपके खाते से दूसरा यूजर कर सकता है पेंमेंट

नई दिल्ली । देश में पिछले कुछ सालों में डिजिटल पेमेंट लगातार बढ़ा है, खासकर यूपीआई से भुगतान में तेजी आई है। इसलिए यूजर्स अनुभव को बेहतर बनाने के लिए आरबीआई लगातार डिजिटल पेमेंट सिस्टम में नई-नई सुविधाएं लेकर आ रहा है। इसी कड़ी में आरबीआई ने डेलीगेटेड भुगतान सर्विस शुरू की। डेलीगेटेड पेमेंट सर्विस से मतलब है कि यूपीआई यूजर अपने अकाउंट से पेमेंट करने का अधिकारी किसी अन्य व्यक्ति को दे सकेगा। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने इसकी जानकारी दी। यूपीआई पेमेंट को लेकर डेलिगेटेड पेमेंट सर्विस में इसमें एक व्यक्ति (प्राइमरी यूजर) किसी अन्य व्यक्ति (सेकेंडरी यूजर) को अपने बैंक खाते से यूपीआई लेनदेन करने की अनुमति दे सकेगा। हालांकि, इसतरह के ट्रांजेक्शन की लिमिट प्राइमरी यूजर के द्वारा निर्धारित की जाएगी। इससे देशभर में डिजिटल भुगतान की पहुंच और उपयोग में वृद्धि होने की उम्मीद है। इस संबंध में भी विस्तृत निर्देश जल्द ही जारी किए जाएंगे। थर्ड पार्टी पेमेंट एप कीवी के को-फाउंडर मोहित बेदी ने डेलिगेटेड पेमेंट सर्विस को लेकर कहा, इस कदम के जरिए आरबीआई प्राइमरी अकाउंट होल्डर (माता-पिता) को वह सुविधा देने जा रहे हैं, जिससे नाबालिग भ उनके अकाउंट के जरिए यूपीआई पेमेंट कर सकें। बस उन्हें माता-पिता से मंजूरी लेनी होगी।

अयोध्या गैंगरेप के आरोपियों का डीएनए टेस्ट, पुलिस कोर्ट से अनुमति मांगेगी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के अयोध्या में 12 वर्षीय लड़की के साथ गैंगरेप के आरोपियों के डीएनए टेस्ट के लिए पुलिस ने कोर्ट में कागजी कार्रवाई शुरू कर दी है। कोर्ट से अनुमति मिलते ही आरोपी मोइन और राजू खान का डीएनए टेस्ट होगा। 30 जुलाई को अयोध्या पुलिस ने समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी मोइन खान को गिरफ्तार किया था। मोइन बेकरी चलाते हैं। उन पर नाबालिग लड़की के साथ गैंगरेप करने और बच्ची को गर्भवती करने का आरोप है। किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) में इलाज के लिए भर्ती रेप पीड़िता के गर्भाशय का सैंपल भी रखा गया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, दो महीने पहले दोनों ने लड़की के साथ रेप किया था और इस घटना को रिकॉर्ड भी किया गया था। यह घटना तब सामने आई जब हाल ही में मेडिकल जांच में पता चला कि किशोरी गर्भवती है। 2 अगस्त को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नाबालिग लड़की से मुलाकात की। उन्होंने लड़की से मिलने के बाद मामले की जांच में देरी के लिए दो पुलिसकर्मियों को निलंबित करने का भी आदेश दिया।

एयर इंडिया एक्सप्रेस की इंदौर से दुबई उड़ान सेवा बंद

इंदौर । एयर इंडिया एक्सप्रेस ने इंदौर और दुबई के बीच अपनी सीधी उड़ान सेवा बंद कर दी है। एयरलाइन ने इस रूट पर बुकिंग लेना बंद कर दिया है। संयुक्त अरब अमीरात की यात्रा करने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए, एयरलाइन ने शारजाह के लिए अपनी उड़ानों की आवृत्ति बढ़ा दी है। अब इंदौर और शारजाह के बीच सप्ताह में दो उड़ानों की जगह चार उड़ाने होंगी। जो यात्री इंदौर से दुबई की यात्रा करना चाहते हैं, उन्हें अब शारजाह से होकर जाना होगा। दरअसल, 30 मार्च, 2023 को शुरू हुई सीधी इंदौर-दुबई उड़ान करीब 17 महीनों तक चली। जानकारों के अनुसार, दुबई हवाई अड्डे पर उपयुक्त स्लॉट उपलब्ध न होने के कारण सीधी उड़ान बंद की जा रही है। शुरुआत में, एयर इंडिया एक्सप्रेस ने अप्रैल 2023 में इंदौर और शारजाह के बीच हफ्ते में तीन उड़ाने शुरू की थीं। सीधी दुबई उड़ान शुरू होने के साथ, शारजाह उड़ान की आवृत्ति घटाकर हफ्ते में दो दिन की गई थी।

10 सितंबर को ट्रंप और हैरिस में छिड़ेगी जुबानी जंग, दोनों नेताओं ने दी सहमति

वाशिंगटन। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस 10 सितंबर को चुनावी बहस करने को तैयार हो गए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस घोषणा से कुछ देर पहले ही ट्रंप ने कहा था कि उन्होंने तीन टेलीविजन नेटवर्क के सामने राष्ट्रपति पद के चुनाव की प्रक्रिया के तहत तीन बहसों का प्रस्ताव रखा है।ट्रम्प ने कहा कि वह सितंबर में कुछ निश्चित तारीखों पर सहमत हैं। इस साल होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव की प्रक्रिया के तहत पहली बहस ट्रंप और डेमोक्रेटिक पार्टी के पूर्व उम्मीदवार जो बाइडन के बीच हुई थी। इस बहस में अमेरिका के मौजूदा राष्ट्रपति बाइडन के खराब प्रदर्शन के बाद उन पर चुनाव से हटने के लिए चौतरफा दबाव डाला गया था। बाद में बाइडन ने अपनी उम्मीदवारी छोड़ते हुए अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस का नाम प्रस्तावित किया था जिसे पार्टी ने भी मंजूरी दे दी है। अब ट्रम्प और हैरिस 10 सितंबर को आमने-सामने आकर एक दूसरे पर राजनीतिक हमले करेंगे।

बांग्लादेश की दो जेलों में झड़प और गोलीबारी, छह कैदियों की मौत

ढाका। बांग्लादेश में भारी हिंसा के बीच हुए सत्ता परिवर्तन के बाद अब जेलों में मारकाट शुरू हो गई है। पिछले 24 घंटे में झड़प और गोलीबारी में छह कैदी मारे गए हैं। कई जेल मुलाजिम घायल हुए हैं। जेल अधिकारियों को जान बचाने के लाले पड़े हुए हैं। शुक्रवार को दोपहर करीब दो बजे चट्टोग्राम सेंट्रल जेल में कैदियों और गार्डों के एक वर्ग के बीच झड़प के दौरान गोलियों की आवाज सुनी गई।अधिकारियों ने बताया कि जमालपुर जिला जेल में गुरुवार दोपहर कैदियों के दो समूहों के बीच झड़प में छह कैदियों की मौत हो गई। इस झड़प में जेलर और सात बंदीरक्षक घायल हो गए। मृत कैदियों के नाम अरमान, रेहान, श्यामल, फजले रब्बी बाबू, जसीम और राहत हैं। ये सभी जमालपुर सदर उपजिला के निवासी थे। जेलर अबू फत्ताह ने कहा है कि स्थिति पर काबू पाने के बाद कैदियों ने उन्हें बंधक बनाकर जेल से भागने की कोशिश की। कैदियों ने जेल के भीतर दो इमारतों, उनके कार्यालय और एक मुख्य द्वार में तोड़फोड़ की। इस दौरान 14 जेल प्रहरियों को बंधक बना लिया। आज दोपहर में चट्टोग्राम सेंट्रल जेल में कैदियों और गार्डों के एक वर्ग के बीच झड़प के दौरान गोलियों की आवाज सुनी गई। अब स्थिति सामान्य है। जेल में सेना, रैपिड एक्शन बटालियन (आरएबी), पुलिस और अग्निशमन सेवा को तैनात किया गया है। उन्होंने बताया कि गंभीर रूप से घायल चार कैदियों और तीन जेल प्रहरियों को मैमनसिंह मेडिकल कॉलेज अस्पताल और जमालपुर जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जमालपुर जिला जेल में वर्तमान में 669 कैदी हैं। इनमें से 100 सजायाफ्ता कैदी हैं। चैटोग्राम मेट्रोपॉलिटन पुलिस के एक अधिकारी के हवाले से कहा गया है कि जब कैदियों के एक वर्ग ने प्रदर्शन किया और जेल के एक कमरे को तोड़ने की कोशिश की तो जेल गार्डों ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए गोलीबारी की। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सेना को बुलाया गया है।

चीन में एक बंदरगाह पर मालवाहक पोत में विस्फोट के बाद आग लगी

बीजिंग। चीन में प्रशांत महासागर के तट पर स्थित एक प्रमुख बंदरगाह पर खतरनाक सामान से दले एक मालवाहक पोत में जोरदार विस्फोट के बाद आग लग गई। सरकारी मीडिया और अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी सरकारी प्रसारणकर्ता सीसीटीवी चैनल की ओर से निगरानी कैमरे के वीडियो को ऑनलाइन माध्यम से प्रसारित किया गया है। वीडियो में सफेद धुंए का एक बड़ा गुबार दिखाई दे रहा है जिसके बाद नारंगी और पीले रंग का आग का गोला दिखा।सीसीटीवी चैनल के अनुसार शंघाई के दक्षिण में स्थित निंगबो-झोउशान बंदरगाह पर हुए विस्फोट और उसके बाद लगी आग से किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। यह बंदरगाह दुनिया के सबसे बड़े बंदरगाहों में से एक है। माना जा रहा है कि पोत पर रखे गए एक कंटेनर में विस्फोट हुआ।प्रसारणकर्ता द्वारा पोस्ट की गई हवाई तस्वीर में पोत के एक छोर पर रखे कंटेनरों के ढेर से और बंदरगाह के एक हिस्से से काला धुआं उठता हुआ दिखाई दिया। पोत और उसके कंटेनरों का बाकी हिस्सा सुरक्षित दिखाई दिया।झेजियांग प्रांत आपातकालीन प्रबंधन प्रशासन ने कहा कि पोत पर श्रेणी-पांच की खतरनाक सामग्री लदी हुई थी, हालांकि यह सामग्री क्या थी इसके संबंध में जानकारी नहीं दी गई।

तुर्किये में बस दुर्घटना में नौ लोगों की मौत, 26 घायल

अंकारा। तुर्किये में शुक्रवार को एक बस के सड़क किनारे एक खंभे से टकराने से उसमें सवार नौ लोगों की मौत हो गई और 26 अन्य घायल हो गये। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।गवर्नर वासिप शाहिन ने हैबरटर्क टेलीविजन स्टेशन को बताया कि यह दुर्घटना राजधानी अंकारा से लगभग 80 किलोमीटर (50 मील) दूर पोलाटली शहर के निकट हुई।उन्होंने बताया कि बस पश्चिमी तुर्किये के इजमिर शहर से देश के पूर्व में एग्री शहर की ओर जा रही थी। उन्होंने बताया कि दुर्घटना के बाद सड़क को बंद कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि घायलों को पोलाटली और अंकारा के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

बांग्लादेश में लोगों ने सामान्य स्थिति की उम्मीद के साथ नयी अंतरिम सरकार का स्वागत किया

ढाका। बांग्लादेश में लोगों ने नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली नयी अंतरिम सरकार का स्वागत किया है। लोगों ने उम्मीद जताई है कि यह सरकार व्यवस्था बहाल करेगी, दमन को समाप्त करेगी और सत्ता के लोकतांत्रिक हस्तांतरण के लिए निष्पक्ष चुनाव कराएगी।यूनुस (84) ने बृहस्पतिवार को अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ ली थी। उन्होंने शेख हसीना का स्थान लिया है। शेख हसीना ने विवादास्पद आरक्षण प्रणाली को लेकर अपनी सरकार के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद अचानक इस्तीफा दे दिया था और भारत चली गई थीं।यूनुस ने प्रधानमंत्री के समकक्ष पद मुख्य सलाहकार के रूप में शपथ ली।महिला अधिकार कार्यकर्ता फरीदा अख्तर, दक्षिणपंथी पार्टी हिफाजत-ए-इस्लाम के उप प्रमुख ए.एफ.एम. खालिद हुसैन, ग्रामीण दूरसंचार ट्रस्टी नूरजहां बेगम, स्वतंत्रता सेनानी शर्मीन मुर्शिद, चट्टगांव हिल ट्रैक्ट्स डेवलपमेंट बोर्ड के अध्यक्ष सुप्रदीप चकमा, प्रोफेसर बिधान रंजन रॉय और पूर्व विदेश सचिव तौहीद हुसैन सलाहकार परिषद के सदस्यों में शामिल हैं।ढाका विश्वविद्यालय के प्रोफेसर सेराजुल इस्लाम चौधरी ने कहा कि अंतरिम सरकार का एक कर्तव्य व्यवस्था बहाल करना होगा, जो हसीना के पतन के बाद पिछले कुछ दिनों से चरमरा गई है।डेली स्टार समाचार पत्र ने अंतरिम सरकार के शपथ ग्रहण के बाद चौधरी के हवाले से कहा, ''दूसरा काम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।''प्रख्यात विधिवेत्ता कमाल हुसैन ने कहा, ''जो परिवर्तन हुआ है उसका सभी ने स्वागत किया है।''

बांग्लादेश में लोगों ने सामान्य स्थिति की उम्मीद के साथ नयी अंतरिम सरकार का स्वागत किया

ढाका। बांग्लादेश में लोगों ने नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली नयी अंतरिम सरकार का स्वागत किया है। लोगों ने उम्मीद जताई है कि यह सरकार व्यवस्था बहाल करेगी, दमन को समाप्त करेगी और सत्ता के लोकतांत्रिक हस्तांतरण के लिए निष्पक्ष चुनाव कराएगी।यूनुस (84) ने बृहस्पतिवार को अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ ली थी। उन्होंने शेख हसीना का स्थान लिया है। शेख हसीना ने विवादास्पद आरक्षण प्रणाली को लेकर अपनी सरकार के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद अचानक इस्तीफा दे दिया था ।

संयुक्त राज्य अमेरिका के न्यू मैक्सिको राज्य की गवर्नर मिशेल लुजान ग्रिशम के नेतृत्व में एक संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने संसद भवन, नई दिल्ली में लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला से मुलाकात की।

मिस्र, कतर, अमेरिका की इजरायल और हमास से अपील, 15 अगस्त को युद्ध विराम पर वार्ता फिर से शुरू करें दोनों देश

काहिरा, (एजेंसी)। मिस्र, कतर और अमेरिका के नेताओं ने इजरायल और हमास से युद्ध विराम समझौते को अंतिम रूप देने की अपील की। कहा है कि बिना समय गंवाए दोनों देश 15 अगस्त को वार्ता करें। समाचार एजेंसी रिन्हुआ ने मिस्र के राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से जारी संयुक्त बयान के हवाले से बताया, ÷तीनों देशों ने इजरायल और हमास को शेष सभी मतभेदों को दूर करने के लिए 15 अगस्त को दोहा या काहिरा में तत्काल चर्चा फिर से शुरू करने के लिए आमंत्रित किया ताकि बिना किसी देरी के समझौते को जल्द से जल्द लागू किया जा सके।

बयान के अनुसार, युद्ध विराम (सीजफायर) के लिए समझौता लगभग तैयार हो गया है, बस इसके अमल में लाने के तरीकों पर बात करनी बाकी है।

बयान में तीनों मध्यस्थों ने कहा, ÷अब और समय बर्बाद करने का कोई सवाल ही नहीं है, न ही किसी भी पक्ष के पास देरी के लिए कोई बहाना है। अब समय आ गया है कि बंधकों को रिहा किया जाए, युद्धविराम किया जाए और समझौते को लागू किया जाए।÷ काहिरा, दोहा और वाशिंगटन ने इजरायल और हमास के बीच एक समझौता कराया था, जो नवंबर 2023 के अंत में समाप्त हो गया था।

इसमें दोनों पक्षों ने एक सप्ताह के लिए लड़ाई बंद करने का फैसला किया था।

इस समझौते में फिलिस्तीनी कैदियों और इजरायली बंधकों के बीच अदला-बदली और गाजा में मानवीय सहायता पहुंचाना शामिल था। युद्धविराम समझौते पर पहुंचने के बाद भी परिणाम सकारात्मक नहीं रहे थे। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने गुरुवार को जानकारी दी कि पिछले 10 महीनों में गाजा पट्टी में चल रहे संघर्ष में अब तक 39,699 फिलिस्तीनी मारे गए हैं और 91,722 अन्य घायल हुए हैं।

हम नस्ली आधार पर होने वाले हमले और हिंसा भड़काने के खिलाफ हैं: संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र, (एजेंसी)।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय पर हमलों की घटनाओं के बीच, संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुतारेस के एक प्रवक्ता ने कहा कि वह नस्ली आधार पर होने वाले किसी भी तरह के हमले या हिंसा भड़काने के खिलाफ हैं।

महासचिव के उप प्रवक्ता फरहान हक ने बृहस्पतिवार को यहां कहा, ''यह स्पष्ट है कि हम सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हाल के संघात में बांग्लादेश में जो हिंसा हो रही है उस पर नियंत्रण पाया जाए। निश्चित रूप से हम नस्ल आधार पर किसी भी तरह के हमले या हिंसा भड़काने के खिलाफ हैं।'' वह बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों पर हो रहे हमलों के संबंध में महासचिव की प्रतिक्रिया से जुड़े सवालों के जवाब दे रहे थे।

सोमवार को प्रधानमंत्री शेख हसीना के पद से इस्तीफा देने और देश छोड़कर भारत

आ जाने के बाद से जारी हिंसा में कई हिंदू मंदिरों, घरों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों में तोड़फोड़ की गई है और अवामी लीग से जुड़े कम से कम दो हिंदू नेताओं की हत्या कर दी गई।

नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस को अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ दिलाए जाने पर हक ने संयुक्त राष्ट्र की ''सरकार बनाने की एक समावेशी प्रक्रिया'' की आशाओं का उल्लेख किया और कहा, ''हम उम्मीद बरकरार रखे हुए हैं। शांति बहाली का कोई भी संकेत एक अच्छी चीज है।''

जब उनसे पूछा गया कि क्या महासचिव गुतारेस ने यूनुस को बधाई दी है या फोन पर बात की है? तो हक ने कहा कि गुतारेस ने उनसे बात नहीं की है, लेकिन बांग्लादेश में संयुक्त राष्ट्र की स्थानीय समन्वयक प्विन लुईस शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुई थीं। हक ने कहा, ''निश्चित रूप से, वह और देश की टीम सक्रिय तौर पर यह सुनिश्चित कर रही है कि जमीनी स्तर पर परिवर्तन शांतिपूर्ण हो।''पिछले कुछ सप्ताहों में बांग्लादेश में हुई हत्याओं की जांच का हिस्सा बनने के लिए संयुक्त राष्ट्र से किए गए अनुरोध पर हक ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र गौर करेगा कि गठित होने वाली किसी भी नयी सरकार से उसे किस प्रकार का औपचारिक अनुरोध प्राप्त होता है।

कमला हैरिस ने उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के तौर पर टिम वाल्ज को चुना

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव दिलचस्प होता जा रहा है। कमला हैरिस ने अपने रनिंग मेट यानी उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के तौर पर टिम वाल्ज को चुना है। मगर कमला हैरिस की पसंद टिम वाल्ज का चीनी कनेक्शन सामने आया है। कमला हैरिस की पसंद टिम वाल्ज चीन के सी कॉल्ड यार निकल गए। चीन में लोग उन्हें प्यार से चाइनाज मैन कहते हैं। हालांकि, टिम वॉल्ज के इस चीन कनेक्शन को लेकर डेमोक्रेट्स को रिपब्लिकन ने घेरना शुरू कर दिया है।

दरअसल, डेमोक्रेटिक की ओर से उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार टिम वाल्ज के चीन के साथ दशकों पुराने संबंध हैं। टिम वॉल्ज चीन में टीचर रह चुके हैं। वह 1989 और 1990 में चीन के दक्षिणी गुआंगडोंग प्रांत में स्थित कॉलेज में अंग्रेजी पढ़ाते थे। टिम वाल्ज ने अक्सर चीन के लोगों के बारे में प्यार से बात की है। कहा जाता है कि चीन और चीनियों को लेकर उनका नजरिया जरा सॉफ्ट रहा है। वह कई बार चीन की यात्रा कर चुके हैं। 90 के दशक में वह बीजिंग में यूएस अंबेसडर भी रह चुके हैं। वाल्ज के इसी चीनी कनेक्शन को लेकर अब रिपब्लिकन हमलावर हो गई है।

टिम वाल्ज नेब्रास्का के छोटे से शहर वेस्ट प्वाइंट में पले-बढ़े हैं। राजनीति में आने से पहले वह मिनेसोटा के मैनकैटो वेस्ट हाई स्कूल में सामाजिक अध्ययन के शिक्षक, फुटबॉल कोच और यूनियन के सदस्य रह चुके हैं। टिम वाल्ज ने आर्मी नेशनल गार्ड में 24 साल सेवा की और सेना में सबसे ऊंचे रैंक में से एक सार्जेंट मेजर की कमान संभाली। वह छह बार सांसद रह चुके हैं। पहली बार वह 2006 में संसद के लिए निर्वाचित हुए थे। उन्होंने 2018 में 'वन मिनेसोटा' थीम पर गवर्नर पद के लिए चुनाव लड़ा और 11 से अधिक अंकों से जीत हासिल की। वाल्ज ने 2022 में अपने रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी डॉ. स्कॉट जेन्सेन को मात दी थी।

ट्रम्प प्रशासन में जर्मनी में राजदूत और कार्यकारी राष्ट्रीय खुफिया निदेशक रहे रिचर्ड ग्रेनेल ने एक्स पर कहा, 'कमला के उपराष्ट्रपति के रूप में टिम वाल्ज के चयन से कम्युनिस्ट चीन बहुत खुश है। हालांकि, कमला हैरिस और टिम वाल्ज की टीम ने इस तरह की आलोचना को खारिज किया है। टीम कमला के प्रवक्ता जेम्स सिंगर ने कहा, 'रिपब्लिकन बुनियादी तथ्यों को तोड़-मरोड़ रहे हैं। वाल्ज लंबे समय से चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के खिलाफ खड़े रहे हैं और मानवाधिकारों और लोकतंत्र के लिए लड़े हैं। उन्होंने हमेशा अमेरिकी नौकरियों और विनिर्माण को सबसे पहले रखा है।

ब्राजील ने निकारागुआ के राजदूत को देश छोड़ने का आदेश दिया

साओ पाउलो। ब्राजील की सरकार ने बृहस्पतिवार को मध्य अमेरिकी देश निकारागुआ के राजदूत को देश छोड़ने का आदेश दिया इससे पहले निकारागुआ के राष्ट्रपति डैनियल आर्टेगा ने ब्राजील के राजदूत को देश से जाने का आदेश सुनाया था।ब्राजील के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि उसने निकारागुआ के राजदूत फुल्विया पेट्रीसिया कास्त्रो माटू को निष्कासित करने का निर्णय लिया है। यह निर्णय ''मानगुआ से ब्राजील के राजदूत को हटाने के निकारागुआ सरकार के कदम के बदले में लिया गया।'' बयान में कहा गया कि राजदूत ब्रेनो दा कोस्टा मध्य अमेरिकी देश छोड़ चुके हैं।निकारागुआ की सरकार ने कहा कि निकारागुआ और ब्राजील के राजदूतों ने अपने पद छोड़ दिए हैं, लेकिन उसने इस कदम के पीछे के कारणों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी।

आतंकियों वाले हथियारों का उपयोग बांग्लादेश की हिंसा में हुआ : वाजेद जॉय

ढाका, (एजेंसी)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद जॉय ने दावा करते हुए कहा कि बांग्लादेश को हिंसा की आग में झौंकने वाला कोई और नहीं बल्कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई है। घटना में जिन हथियारों का उपयोग हुआ है वे केवल विदेशी ताकतों या फिर आतंकी संगठनों द्वारा ही मुहैया कराई जा सकती हैं। उन्होंने बांग्लादेश में तनाव और हिंसा के लिए सीधे तौर पर पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश की हिंसा और राजनीतिक उथल-पुथल में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई का हाथ है। वाजेद ने कहा, हमें बहुत सारे सबूत मिले हैं। हमें संदेह है कि इस पूरे घटनाक्रम में पाकिस्तान की आइएसआई का हाथ था।जॉय ने दावा किया है कि लोकतंत्र बहाल होने के बाद शेख हसीना बांग्लादेश में वापसी करेंगी। हालांकि यह फैसला नहीं हुआ है कि वह राजनीति में सक्रिय रहेंगी या फिर संन्यास ले लेंगी। उन्होंने कहा कि शेख मुजीब के परिवार के लोग बांग्लादेश के लोगों को कभी अकेला नहीं छोड़ेंगे। वहीं पार्टी को भी लावारिस नहीं छोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा, यह भी सच है कि मैंने ही कहा था कि वह अब कभी बांग्लादेश वापस नहीं जाएंगी। लेकिन दो दिनों में बहुत कुछ बदल चुका है। पूरे देश में हमारे नेताओं और कार्यकर्ताओं पर हमले हो रहे हैं। अब हम अपने लोगों को सुरक्षित करने के लिए हर संभव काम करेंगे। हम उन्हें अकेले नहीं छोड़ सकते। आवामी लीग बांग्लादेश के सबसे पुरानी और सबसे बड़ी पार्टी है। इसलिए हम अपने लोगों को छोड़कर भाग नहीं सकते। वह बांग्लादेश जरूर लौटेंगी ।

तोशाखाना के नए भ्रष्टाचार मामले में

इमरान खान और बुशरा बीबी की रिमांड 11 दिन तक बढ़ाई

इस्लामाबाद, (एजेंसी)।

पाकिस्तान की एक जवाबेदही अदालत ने तोशाखाना के नए भ्रष्टाचार मामले में जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी की रिमांड 11 दिनों के लिए बढ़ा दी है। मीडिया में शुक्रवार को जारी की गई खबरों में यह जानकारी दी गई। पाकिस्तान के अंग्रेजी अखबार %द एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार% में प्रकाशित खबर में कहा गया है कि जवाबदेही अदालत के न्यायाधीश नासिर जावेद राणा की अध्यक्षता में रावलपिंडी की उच्च सुरक्षा वाली अदियाला जेल में स्थापित अस्थायी अदालत कक्ष में बृहस्पतिवार को मामले की सुनवाई की गई। न्यायाधीश राणा ने तोशाखाना के नये भ्रष्टाचार मामले में खान और बीबी की 10 दिन की रिमांड समाप्त होने के बाद इसे 11 और दिनों के लिए बढ़ा दिया।

पाकिस्तान-तहरीक-ए इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख नेता इमरान खान

(71) कई मामलों में दोषी ठहराए जाने के बाद पिछले एक साल से अधिक समय से अदियाला जेल में बंद हैं। उनकी पत्नी 49 वर्षीय बीबी भी उनके साथ जेल में बंद हैं। राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) ने अदालत को बताया कि खान ने पिछले 10 दिनों की रिमांड के दौरान केवल दो बार जांच टीम के साथ सहयोग किया था। भ्रष्टाचार विरोधी निगरानी संस्था ने अदालत से मामले की जांच के लिए अतिरिक्त 14 दिन की रिमांड सौंपने का अनुरोध किया था। खबर में बताया गया कि हालांकि, अदालत ने दलीलें सुनने के बाद खान की प्रत्यक्ष रिमांड 11 दिन के लिए बढ़ाई और मामले की सुनवाई 19 अगस्त तक स्थगित कर दी। खान और बीबी पहले ही तोशाखाना के नये भ्रष्टाचार मामले के संबंध में 24 दिन की रिमांड अवधि को पूरा कर चुके हैं। एनएबी ने इस मामले में खान और बीबी पर तोशाखाना से आभूषण सेट खरीदने और कानून का उल्लंघन कर उसे बेचने का आरोप लगाया। एनएबी ने उनके खिलाफ ताजा तोशाखाना मामला तब दर्ज किया जब पिछले महीने जिला एवं सत्र न्यायालय ने गैर-इस्लामिक विवाह मामले में उनकी दोषसिद्धि को खारिज कर दिया था। अदालत ने अपने आदेश में कहा था कि दोनों को तत्काल रिहा कर दिया जाना चाहिए, जब तक कि वे अन्य मामलों में वांछित न हों। तोशाखाना मामले में बृहस्पतिवार को हुई सुनवाई के बाद खान ने संवाददाताओं से कहा कि पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) पार्टी के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ गठबंधन सरकार दो महीने में गिर जाएगी। खबर में उनके हवाले से कहा गया है, %%ये मूर्ख यह नहीं समझ रहे हैं कि इस सरकार के पास दो महीने से अधिक का समय नहीं है। सरकार दो महीने में गिर जाएगी।%% इमरान खान ने कहा, ÷मेरे पास बहुत समय है, लेकिन उनके (शासकों के) पास समय खत्म होता जा रहा है।÷ खान ने कहा कि वह सत्ताधारियों के साथ कोई समझौता नहीं करेंगे, चाहे सरकार उन्हें कितने भी लंबे समय तक जेल में रखे। उन्होंने कहा, %%समझौता वह व्यक्ति करता है जिसने अपराध किया हो। मेरे पास विदेश में कोई धन नहीं है और न ही देश के बाहर मेरी कोई संपत्ति है।

पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने मोनाल रेस्तरां केस में कैबिनेट सचिव, अटॉर्नी जनरल समेत तीन को तलब किया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने आज मार्गल्ला नेशनल पार्क में व्यावसायिक गतिविधियों से संबंधित एक मामले में मोनाल रेस्तरां के मालिक, पाकिस्तान के अटॉर्नी जनरल और कैबिनेट सचिव को तलब किया है।

संपादकीय

ओलंपिक में व्यवहार

भारतीय खिलाड़ियों और भारतीय खेल प्रशासन को विश्व स्तर पर अभी लंबा सफर तय करना है। मगर जिस तरह के विवाद या मामले ओलंपिक में कुछ भारतीयों के संबंध में उठे हैं, उनको देख चिंता स्वाभाविक है। महिलाओं की 53 किलोग्राम कुश्ती स्पर्द्धा के पहले ही दौर में हारने के बाद भारतीय पहलवान अंतिम पंघाल ने पेरिस में अपने लिए बड़ी चिंताएं खड़ी कर ली थीं। यहां तक खबर चल पड़ी थी कि अंतिम पंघाल और उनके दल को पेरिस से निर्वासित कर दिया जाएगा, तीन साल के लिए प्रतिबंध लग जाएगा। बहरहाल, पंघाल पर यह आरोप तो लग ही गया कि उन्होंने अपना ओलंपिक मान्यता पत्र अपनी बहन को सौंप दिया था, जिन्हें ओलंपिक गांव के प्रवेश द्वार पर पुलिस ने पकड़ लिया। भारतीय दल के लिए बड़े शर्म की स्थिति बन गई। इसमें कोई दोराय नहीं कि किसी खिलाड़ी के मान्यता पत्र पर केवल वही अधिकृत होता है, अगर वह अपना मान्यता पत्र किसी को देता है, तो वास्तव में पूरे खेल गांव की सुरक्षा पर सवाल लगाता है। अंतिम पंघाल से यही भूल हुई है, जिसका असर भारतीय ओलंपिक दल के सम्मान पर कमोबेश हुआ है। गौर करने की बात है कि पंघाल अपना पहला ही मुकाबला बुरी तरह हार गई थीं और निराशा में उन्होंने खेल गांव छोड़ दिया था। यहां भी विवाद उठा कि उन्होंने खेल गांव छोड़कर अपनी बहन या कोच के होटल जाने की मंजूरी नहीं ली, हालांकि, बाद में पंघाल ने स्पष्ट किया कि वह बताकर ही गई थीं। होटल आकर उनकी तबियत खराब हुई और उन्होंने अपना मान्यता पत्र अपनी बहन को देकर खेल गांव से अपना सामान लाने भेज दिया। बेशक, यह तरीका गलत है, ओलंपिक के स्तर पर खिलाड़ियों को तमाम नियम-कायदों के प्रति सजग रहना चाहिए। वैसे जितनी लापरवाही खिलाड़ी की है, उतनी ही उसके कोच की भी है। वैसे, यहां तो खिलाड़ी के दो कोच सहयोगी बनने के बजाय स्वयं ही समस्या बन गए। भाषा की वजह से एक कैब चालक से उनका विवाद हो गया। यहां भी पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा। कुल मिलाकर, अंतिम पंघाल की पूरी टीम ही विवादों में आ गई और चर्चा चल पड़ी कि पूरी टीम को देश भेज दिया जाएगा। हालांकि, पंघाल प्रतिस्पर्द्धा से पूरी तरह बाहर हो गईं, तो उन्हें वैसे भी पूरी टीम के साथ स्वदेश लौटना ही था। अत: भारतीय दल की यह कोशिश होनी चाहिए कि अपने दल के सदस्यों का किसी भी तरह से अपमान न हो। यह पूरा प्रकरण एक तरह से सबक है। हमारे देश के खिलाड़ी ही नहीं, बल्कि उनकी टीम के अन्य सदस्यों को भी ओलंपिक या विदेश में लोक-व्यवहार की पूरी सूचना नहीं है। क्या विदेश में किसी प्रतियोगिता में भाग लेने जाते समय दल के सदस्यों को प्रशिक्षित-सूचित नहीं किया जाता है? यह प्रबंधकों की भी गलती है। किसी भी स्थिति में खिलाड़ियों का तत्काल मार्गदर्शन करना उनकी प्राथमिकता होनी चाहिए। देश का प्रतिनिधित्व करना विदेश यात्रा का मौका मात्र नहीं है, इससे देश का सम्मान जुड़ा है। हमारे खिलाड़ियों को भाषा की समस्या आएगी, पर उन्हें पूरी सावधानी से किसी भी अप्रिय स्थिति से बचाना होगा। कहीं न कहीं संदेश गया है कि भारतीय दल पूरी तरह से तैयार नहीं था। विनेश फोगाट के साथ जो हुआ, उसमें भी भारतीय खेल प्रबंधकों की बड़ी भूमिका है। काश! वे पूरी तरह सजग रहते, तो ओलंपिक में भारत की झोली इतनी हल्की न रहती।

आज का राशीफल

मेष संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। वाणी की सौम्यता बनाये रखने की आवश्यकता है।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन हानि की संभावना है।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्ची पर नियंत्रण रखें। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कन्या बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समय गुजरेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला आर्थिक योजना को बल मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे। धन लाभ होने के योग हैं।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु आर्थिक दिशा में प्रगति होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। राजनैतिक क्षेत्र में किए गए प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता आपको लाभ दिलायेगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। खान-पान में संयम रखें। जीविका की दिशा में प्रगति होगी। विरोधी परास्त होंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। मित्रों या रिश्तेदारों से पीड़ा मिलेगी। नेत्र विकार की संभावना है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

सेहत व संस्कृति के द्वंद्व से जूझती इंडोनेशिया सरकार

पुष्परंजन

इंडोनेशिया में एक सिगरेट की क़ीमत है, दो हज़ार रुपिया (भारतीय मुद्रा में 10 रुपये 43 पैसे) है। पूरी डिब्बी की क़ीमत आमतौर पर लगभग 30,000 रुपिया (भारतीय करेंसी में 157 रुपये) मानकर चलिए। सिगरेट की कम-ज्यादा कीमतें ब्रांड के ऊपर हैं। वहां की सरकार ने सिगरेट की खुदरा बिक्री पर रोक लगा दी है, जिससे खोमचे-ठीये वाले अपना धंधा चौपट हो जाने के डर से परेशान हैं। सिगरेट की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने का तंबाकू समर्थक कार्यकर्ताओं ने सरकार के इस फैसले का विरोध किया है, जिनका मानना है कि तंबाकू की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने से छोटे व्यवसायों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा और यह देश की गहरी जड़ें जमाए धूम्रपान संस्कृति के खिलाफ़ होगा। सिगरेट समर्थक कार्यकर्ताओं के अनुसार, 'सिगरेट वह गोंद है जो इस द्वीपसमूह में सामाजिक संबंधों को एक-दूसरे से चिपकाये रखती है।' जावा में शादियों और अंतिम संस्कारों के दौरान आये लोगों को अक्सर सिगरेट ऑफर की जाती है, और हिंदू बहुल द्वीप बाली में देवताओं-परमात्माओं को अर्पित दैनिक प्रसाद में भी सिगरेट शामिल है। 'कैनांग सारी' नामक पारंपरिक प्रसाद को नारियल के पत्ते वाली बकेट में रखते हैं, जिसके अंदर फूल, चावल और सिगरेट होती है। इन्हें देवताओं के प्रति समर्पण और आत्माओं को प्रसन्न करने के लिए चढ़ाया जाता है। सिगरेट समर्थकों का कहना है कि सरकार इस प्रतिबंध के बहाने हमारी आस्था पर चोट कर रही है। इंडोनेशिया द्वीप समूह के किसी भी हिस्से में जाएं। सुबह के पारंपरिक नाश्ते में एक कप कॉफी के साथ सिगरेट ज़रूर दिखेगा। पश्चिमी सुमात्रा में सर्फिंग के लिए मशहूर मेंटावई जनजातियां तंबाकू या उबे का सेवन करती हैं। सिगरेट चाहे टेंशन दूर करे, मगर उसके आदी लोग व्यक्तिगत आनंद के लिए उसका होना ज़रूरी मानते हैं। क्रेटेक ब्रांड के सिगरेट की दीवानगी तंबाकू समर्थक नीतियों की वकालत करने वाले केपाले देसे के बयानों से दरपेश है, 'क्रेटेक एक इंडोनेशियाई सिग्नेचर सिगरेट है, जिसमें लौंग के साथ तंबाकू मिलाया जाता है, जिसके परिणामस्वरूप जलने पर मीठा स्वाद और गाढ़ा धुआं निकलता है। हम इसे छोड़ नहीं सकते।' नए विनियमन में सिगरेट के एक पैकेट में कम से कम 20 सिगरेट होनी चाहिए, जिससे 12 या 16 सिगरेट वाले सस्ते पैकेट की बिक्री खत्म हो जाएगी। न्यूनतम खरीद आयु भी 18 से बढ़ाकर 21 कर दी गई है। नए विनियमन को तोड़ने वाले विक्रेताओं या उत्पादकों पर क्या जुर्माना ठोकेंगे, अभी स्पष्ट नहीं किया है। इंडोनेशिया दुनिया के सबसे बड़े इंस्टाग्राम दर्शकों में से एक है, जिसके एक करोड़ 11 लाख से अधिक उपयोगकर्ता हैं। जिनमें से आधे से अधिक 13 से 24 वर्ष की आयु के हैं। तंबाकू प्रवर्तन और रिपोर्टिंग आंदोलन (टीईआरएम) के अनुसार, '2023 तक, इंडोनेशिया में लगभग 70 प्रतिशत ऑनलाइन तंबाकू विपणन इंस्टाग्राम पर हुआ।' इंडोनेशिया में तंबाकू और ई-सिगरेट को सोशल मीडिया पर प्रचारित करने से रोक दिया गया है। सिगरेट समर्थक केपाले देसे कहते हैं, 'हम छोटे विक्रेताओं का पक्ष लेते हैं, क्योंकि यह प्रतिबंध उन्हें नुकसान पहुंचाएगा। हमने खुदरा सिगरेट की बिक्री पर प्रतिबंध के बारे में खोमचे-ठेले वालों की राय पूछी, और उन्होंने इसे अस्वीकार कर दिया।' लेकिन इसके उलट स्वास्थ्य मंत्रालय में कानून प्रभाग के प्रमुख इंदा फेब्रियांटी ने 2 अगस्त, 2024 को दिये बयान में कहा, 'खुदरा सिगरेट बच्चों और किशोरों के लिए आसानी से उपलब्ध हैं, जिनके उपभोग के स्तर को हम वास्तव में कम करना चाहते हैं।' इंडोनेशिया में धूम्रपान की दर दुनिया में सबसे ज़्यादा है : पिछले साल इंडोनेशियाई स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार, 270 मिलियन की आबादी में से 70 मिलियन सक्रिय धूम्रपान करने वाले थे। किशोर उम्र वालों का धूम्रपान रोकना भी एक चुनौती है। पिछले साल धूम्रपान करने वालों में से 7.4 प्रतिशत 10-18 वर्ष के थे, जबकि 15-19 वर्ष की आयु में धूम्रपान शुरू करने वालों की संख्या सबसे ज़्यादा 56.5 प्रतिशत थी। हालांकि, नवीनतम तम्बाकू नियंत्रण विनियमों का तम्बाकू विरोधी कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया, हालांकि वे जकार्ता से और अधिक प्रतिबंधों की मांग करते हैं। वाशिंगटन स्थित 'कैंपेन फॉर टोबैको-फ्री किड्स' के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी योलोंडा सी। रिचर्डसन ने एक बयान में कहा कि हमारा संगठन नियमों पर हस्ताक्षर करने के लिए विडोडो की सराहना करता है, और सरकार से आग्रह करता है कि वे तम्बाकू कंपनियों के हस्तक्षेप के बावजूद, उन्हें लागू करें जो निश्चित रूप से जारी रहेगा। नवंबर, 2011 में बाली को सिगरेट मुक्त करने का ऐलान किया गया, लेकिन यह घोषणा लचर साबित हुई। फिर दोबारा से 1 जून, 2012 से धूम्रपान पर सख्त पाबंदी आयद की। इंडोनेशिया उन चंद देशों में से एक है, जो अभी भी टेलीविजन पर तम्बाकू के विज्ञापन की अनुमति देता है, हालांकि इसे रात 9:30 बजे के बाद ही प्रसारित किया जा सकता है। 'इंडोनेशिया इंस्टीट्यूट फॉर सोशल डेवलपमेंट' के निदेशक, अहमद फनानी ने 31 जुलाई, 2024 को जारी एक बयान में कहा, कि हम 'प्रगतिशील' नियमों का स्वागत करते हैं, हालांकि हमें खेद है कि तम्बाकू विज्ञापन प्रतिबंध केवल सोशल मीडिया पर लागू होता है, न कि टेलीविजन या बिलबोर्ड पर। सैम्पोएर्ना इंडोनेशिया की सबसे बड़ी तंबाकू कंपनी है। यह लौंग सिगरेट बनाती है, जिसे स्थानीय तौर पर 'क्रेटेक सिगरेट' के नाम से जाना जाता है। सैम्पोएर्ना के सिगरेट ब्रांडों को इंडोनेशिया में म्यूज़िक कंसर्ट्स के ज़रिये प्रोमोट किया जाता है। इंडोनेशिया में सिगरेट बाज़ार की बादशाहत सैम्पोएर्ना के पास है, जो सबसे मशहूर लौंग वाली क्रेटेक सिगरेट बनाती है। सैम्पोएर्ना के क़ब्ज़े में बाजार का लगभग एक-तिहाई हिस्सा है। सैम्पोएर्ना का निकटतम प्रतिद्वंद्वी फिलिप मॉरिस इंटरनेशनल (पीएमआई) है। इंडोनेशिया में तम्बाकू उत्पादन का 90 प्रतिशत, सिर्फ़ तीन प्रांतों से आता है : पूर्वी जावा, मध्य जावा और पश्चिमी नुसा तेंगारा।

वर्ष 2023 में मार्केट रिसर्च कंपनी, 'यूरोमॉनीटर इंटरनेशनल' ने इंडोनेशियाई तंबाकू बाजार का मूल्य 34 बिलियन डॉलर का आंका है। 'स्टैटिस्टा' के अनुसार, 'तम्बाकू के कारोबार में चीन, अमेरिका और जर्मनी के बाद चौथे स्थान पर इंडोनेशिया आता है।' 2023 में इंडोनेशिया ने 238.8 हज़ार मीट्रिक टन से ज़्यादा कच्चे तम्बाकू का उत्पादन दर्ज किया था। सबसे दिक्क़त की बात यह है कि तम्बाकू के कारोबार से सरकारें, रेवन्यू का बड़ा हिस्सा बटोरती हैं। तम्बाकू कंपनियों से तगड़ी सौदेबाज़ी होती है। विज्ञापनों में कर्क रोग का डर दिखाया जाता है, लेकिन सचमुच सरकारें तम्बाकू का कारोबार बंद कर दें, तो कैंसर अस्पताल चलेंगे कैसे? सच यह है कि सिगरेट पर सरकारी प्रतिबंध हाथी के दिखने वाले दांत की तरह है। इसे जड़ से नहीं उखाड़ सकते!

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

पडोसी देशों में भारत-विरोधी सरकारों के गठन की चिन्ता

(लेखक - ललित गर्ग)

भारत के पडोसी देशों में अस्थिरता एवं अराजकता का माहौल चिन्ताजनक है। बांग्लादेश के साथ-साथ भारत के पड़ोसी मुल्कों में हुए हालिया अराजक, हिंसक एवं अस्थिरता के घटनाक्रमों से एक तस्वीर बनती है एवं एक सन्देश उभर कर आता है, वह है, चीनी के द्वारा भारत विरोधी सरकारों के गठन की साजिश। सिर्फ बांग्लादेश ही नहीं, बल्कि मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और श्रीलंका में राजनीतिक उथल-पुथल और तख्तापलट के बाद अस्तित्व में आई सरकारों ने भारत के लिए चुनौतीपूर्ण हालात पैदा कर दिए हैं। भारत को सतर्क एवं सावधानी बरतने की जरूरत है। अब सवाल ये उठते हैं कि भारत के पड़ोसी देशों में हो रही इस अराजकता एवं अस्थिरता के कारण क्या हैं? यह सिर्फ एक संयोग है या फिर साजिश? क्या इसके पीछे चीन का हाथ है? क्या पाकिस्तान भी इसके लिये जिम्मेदार है? पड़ोसी देशों में पनप रही इस राजनीतिक अस्थिरता का भारत पर क्या असर होगा?

इसकी भरी-पूरी आशंका है कि चीन ने पाकिस्तानी तत्वों के जरिये शेख हसीना विरोधी आंदोलन को हवा दी। निश्चित ही शेख हसीना की छवि एक अधिनायकवादी शासक की बनी और पश्चिमी देश विशेषकर अमेरिका उनकी निंदा करने में मुखर हो उठा। अमेरिका उनकी नीतियों से पहले से ही खफा था, क्योंकि वह मानवाधिकार और लोकतंत्र पर उसकी नसीहत सुनने को तैयार नहीं थीं। उनका सत्ता से बाहर होना भारत के लिए अच्छी खबर नहीं है, बांग्लादेश में एक अर्से से भारत विरोधी ताकतें सक्रिय हैं। उनका भारत विरोधी चेहरा आरक्षण विरोधी आंदोलन के दौरान भी दिखा। यह ठीक नहीं कि हिंसक प्रदर्शनकारी अभी भी हिंदुओं और उनके मंदिरों के साथ भारतीय प्रतिष्ठानों को निशाना बना रहे हैं। लगभग ऐसी ही स्थितियां चीन और पाकिस्तान ने मालदीव, नेपाल, अफगानिस्तान और श्रीलंका में खड़ी की है।

हसीना का जाना या उनका निष्कासन चीन एवं पाकिस्तान की साजिशों का परिणाम है, जो भारत के लिए कई मायनों में झटका है। इसका यह मतलब भी है कि भारत ने पड़ोस में अपने इकलौते स्थिर साथी को अब खो दिया है। भारत अपने चारों ओर से बदहाल, कट्टरवादी, अराजक एवं अस्थिर पड़ोसियों से घिरा है। हमारे पड़ोस में अफगानिस्तान है, जिस पर कट्टरपंथी तालिबान का राज है। भारत-विरोधी समूहों को समर्थन देने का उसका एक काला इतिहास रहा है। पाकिस्तान तो भारत का दुश्मन देश ही है। एक बेहद अशांत पड़ोस, जो कट्टरपंथियों, सैन्य शासकों, दिवालिया अर्थव्यवस्थाओं और जलवायु-परिवर्तन के कारण डूबते देशों में अग्रणी है। अपनी आर्थिक बदहाली के बावजूद वह भारत विरोधी षडयंत्र रचता ही रहता है। वह राजनीतिक अस्थिरता का पर्याय है। विडम्बना देखिये कि पाकिस्तान के एक भी वजीरे-आजम ने अपना कार्यकाल पूरा नहीं किया है। हमेशा वहां की फौज ने उनके कार्यकाल में टांग डाली है। दक्षिण में श्रीलंका और मालदीव हैं। श्रीलंका 2022 में दिवालिया हो गया था। वहां से सामने आई तस्वीरें एवं घटनाक्रम आज के बांग्लादेश से काफी मिलती-जुलती रही हैं। वहां भी प्रदर्शनकारियों ने बड़ा जनआंदोलन किया और जनता ने राष्ट्रपति भवन पर कब्जा कर लिया, जिस कारण राष्ट्रपति गोटाबाया को देश छोड़कर भागना पड़ा था। आर्थिक दिवालियेपन का शिकार यह देश चीन के कर्ज के जाल में फंसा हुआ है। श्रीलंका के कर्ज का एक बड़ा हिस्सा चीन का था, जिस कारण चीन ने यहां के हंबनटोटा बंदरगाह पर कब्जा कर लिया था। हालात यह हो गए थे कि श्रीलंका का विदेशी मुद्रा भंडार खाली हो गया था।

मालदीव एक समय भारत का सहयोगी हुआ करता था। वहां की अर्थव्यवस्था चीन और भारत पर निर्भर है। हालांकि, मालदीव की भारत से नजदीकी हमेशा चीन को खटकती थी, जिस कारण उसने इस देश को अपने कर्ज के जाल में फंसाया। धीरे-धीरे इस देश की माली हालत बुरी होने लगी, जिसके बाद यहां चीन समर्थक और इंडिया आउट का नारा देने वाले मोहम्मद मुइज्जू की सरकार बनी। पाकिस्तान एवं चीन के दबाव में उनके नए राष्ट्रपति के सुर बदले हुए हैं। वहां भारत-विरोधी स्वर उग्रतम बने हुए हैं। मुइज्जू ने राष्ट्रपति बनने के बाद सबसे पहले चीन का ही दौरा किया था और इसके बाद उन्होंने कई भारत विरोधी फैसले किए, जिसमें मालदीव से भारतीय सैनिकों की वापसी भी शामिल थी। वहां भारत-विरोधी स्वर उग्रतम बने हुए हैं।

नेपाल बीते कई सालों से राजनीतिक अस्थिरता के दौरे से गुजर रहा है। हाल ही में यहां एक बार फिर से सत्ता परिवर्तन हुआ और प्रो-भारत माने जाने वाली प्रचंड सरकार सत्ता से बाहर हो गई। अब यहां चीन समर्थक केपी शर्मा ओली की सरकार है। ओली इससे पहले 2015-16 में नेपाल के प्रधानमंत्री रह चुके हैं। उस समय भारत और नेपाल के संबंध काफी तनावपूर्ण रहे थे। नेपाल में गत 16 वर्षों में 14 सरकारें बदल चुकी हैं। हालात इतने बदहाल हैं कि वहां पर कुछ लोग राजशाही को फिर से बहाल करना चाहते हैं। नेपाल में भी चीन ने जाल बिछा रखा है। चीन विस्तारवादी, अलोकतांत्रिक और अपने आस-पड़ोस के देशों के साथ धौंस-डपट करने वाला देश है। वह भारत के भूखंडों पर अपनी मिल्कियत जताता रहता है। भूटान में घरेलू राजनीति स्थिर है, लेकिन वह चीन के साथ सीमा-समझौते पर हस्ताक्षर करना चाहता है, और यह भारत के लिए चिंता का बड़ा कारण है।

भारतीय उपमहाद्वीप के मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, भुटान और श्रीलंका के बाद अब बांग्लादेश में उत्पन्न होने वाली प्रतिकूल परिस्थितियों को दुनिया चुपचाप सब देख रही है, वहीं भारत इसके लिए खुद को तैयार कर रहा है, क्योंकि बांग्लादेश की घटनाओं का उस पर सीधा असर होगा। भारत शांति कायम रखने एवं पडोसी देशों से मित्रता कायम रखने के अपने संकल्पों एवं रणनीतियों के लिए इन देशों पर भरोसा नहीं कर सकता। हमारे ईर्द-गिर्द मची उथलपुथल, अस्थिरता एवं अराजकता हमारे वैश्विक एजेंडे को भी बाधित करती है। भारत की आबादी 1.4 अरब है। उसके सभी पड़ोसियों की कुल आबादी 50 करोड़ है। अर्थव्यवस्था के साथ भी ऐसा ही है। भारत की जीडीपी तीन ट्रिलियन डॉलर है। बाकी सब मिलाकर लगभग एक ट्रिलियन हैं। भारत समर्थ है, शक्ति सम्पन्न है, दुनिया की तीसरी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, इसलिये उसे अधिक बलों की तैनाती, अधिक रक्षा खर्च और सीमाओं पर अधिक बुनियादी ढांचों का निर्माण करना होगा। क्योंकि भारत के सभी पडोसी देशों पर चीन का दबदबा है और उसके दबाव में भारत के लिये कभी भी संकट बन सकते हैं।

बांग्लादेश के घटनाक्रम पर भारत की सतर्कता, विवेक एवं समझदारी सराहनीय है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार पडोसी देशों में उत्पन्न हालातों पर समझ एवं संयम से कदम उठाती रही है। बांग्लादेश की तख्तापलट घटनाओं पर भी उसने पहले सर्वदलीय बैठक बुलाई, विपक्षी दलों ने महत्वपूर्ण भूमिका के साथ अपनी बात रखी। ऐसे ज्वलंत मुद्दों पर सर्वसम्मति बनना जीवंत लोकतंत्र का प्रमाण है। ऐसा अनुकरणीय उदाहरण पडोसी देशों में न मिलना ही उनकी अस्थिरता एवं अराजकता का बड़ा कारण है।

विचार मंथन

गिरफ्तारी और अदालती चक्रव्यूह से जनता को राहत जरूरी, न्याय के नाम पर अन्याय नहीं

(लेखक- सनत जैन)

दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को 17 महीने के बाद सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिली है। 100 करोड रुपए के शराब घोटाले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल अभी जेल में है। उन्हें ट्रायल कोर्ट से ईड़ी मामले में जमानत मिल चुकी है। ईड़ी के अधिकारी बिना आदेश के हाईकोर्ट पहुंच गए। वहां से ट्रायल कोर्ट के आदेश पर स्थगन प्राप्त कर लिया। इसके बाद से वह जेल में बंद है। जैसे ही सरकार को लगा, सुप्रीमकोर्ट के आदेश से अरविंद केजरीवाल जेल से रिहा हो सकते हैं, उनकी रिहाई के पहले सीबीआई ने जेल से उनकी गिरफ्तारी कर ली। हाईकोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट ने गलत मानते हुए निरस्त कर अरविंद केजरीवाल को जमानत दे दी। उसके बाद भी अरविंद केजरीवाल जेल में बंद है। न्याय के नाम पर अन्याय का जो खेल खेला जा रहा है। लोकतांत्रिक देशों में सरकारों द्वारा अपने विपक्षियों को दबाने के लिए कानूनी व्यवस्था का इस्तेमाल किया जा रहा है। भारत में पिछले कुछ वर्षों से विपक्षियों को राजनीति से दूर करने के लिए कानून के मकड़जाल में उलझाकर, अदालती चक्रव्यूह में फंसा दिया जाता है। कई महीनों और वर्षों तक गिरफ्तारी करके सत्ता से दूर रखा जाता है। सत्ता को चुनौती देने पर विपक्षियों पर न्याय के नाम पर अन्याय किया जा रहा है। अब इसके भीषण परिणाम देखने को मिलने लगे हैं। भारत के संविधान में जमानत को अधिकार माना गया है। अंग्रेजों के कानून में भी जमानत को अधिकार माना गया था। 90 दिन के अंदर यदि जांच एजेंसी ट्रायल शुरू नहीं करती थी, तो जमानत देने का अधिकार ट्रायल कोर्ट के पास था। जमानत लेने का अधिकार आरोपी का है। पिछले वर्षों में जो कानून बनाए गए हैं, उसमें आपातकाल से भी ज्यादा खराब प्रावधान कर दिए गए हैं। जिसके कारण नागरिकों की स्वतंत्रता और उनके मौलिक अधिकारों का हनन हो रहा है। घोषित आपातकाल 18 महीने में खत्म हो गया था। कानून व्यवस्था को नियंत्रित करने के लिए इसे कुछ समय के लिए लागू किया गया था। जैसे ही आपातकाल समाप्त हुआ, सभी को जेल से रिहा कर दिया गया था। विपक्षी दलों ने भी चुनाव में भाग लिया था। आपातकाल के बाद इंदिरा गांधी चुनाव हार गई थी। पहली बार केंद्र में गैर कांग्रेसी सरकार बनी। अघोषित आपातकाल में अब राजनीतिक दलों के नेताओं को भ्रष्टाचार के आरोप में कई महीनो और वर्षों तक जेलों में रखा जा रहा है। जांच एजेंसियां वर्षों तक जांच करती रहती हैं। 90 दिन के बाद ट्रायल भी शुरू नहीं होता है। जब बड़े-बड़े नेताओं को इस तरह से जेल भेजा जा रहा है। इसका असर अब देखने को मिल रहा है। जांच एजेंसियां जिनमे ईड़ी, सीबीआई और पुलिस, निरपराध लोगों के ऊपर गलत मामले बनाकर जेल भेज देती है। जेल भेजने की धमकी देकर कारोबारियों और आम जनता से वसूली का नया ट्रेंड भारत में शुरू हो गया है। ईड़ी, नारकोटिक्स, पुलिस और सीबीआई के कई अधिकारी रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़े जा चुके हैं। सरकार स्वयं जब जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है, तब जांच एजेंसी भी निजी स्वार्थ के लिये अधिकारों का दुरूपयोग कर रही हैं। अब तो अदालतों के ऊपर भी रिश्वत के आरोप लगने लगे हैं। न्यायपालिका में भी यह बीमारी तेजी के साथ फैल गई है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले को अब हाईकोर्ट के जज चुनौती देते हुए नजर आते हैं। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के फैसले के बाद ट्रायल कोर्ट और जांच एजेंसियों की मिली भगत से जमानत होने के बाद भी आरोपियों को अन्य मामलों में जेल में रखने की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। न्यायपालिका में अनुशासनहीनता फैल चुकी है। जिस संविधान के नाम से सभी शपथ लेते हैं। उस संविधान की हत्या का दिवस सरकार 25 जून को घोषित करती है। ऐसी स्थिति में संविधान का चीर-हरण होना तय है। यह होता हुआ दिख भी रहा है। जिस न्यायपालिका को संविधान की रक्षा की जिम्मेदारी दी गई है। वह आंख बंद करके सरकार के पक्ष में काम करती हुई नजर आ रही है। ऐसी स्थिति में आम नागरिकों की सुनवाई कहां और कैसे होगी। यह चिंता का विषय बन गया है। हाल ही में बांग्लादेश में तख्ता पलट हुआ है। बांग्लादेश में भी लगभग वही स्थिति बन गई थी, जो आज भारत में है। सभी विपक्षी दलों के नेताओं को जेल में बंद कर दिया गया था। बिना विपक्ष के चुनाव कराया गया था। विपक्ष को लंबे समय से जेल में बंद रखा गया। नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस के खिलाफ 100 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज किए गए थे। उन्हें बांग्लादेश छोड़कर जाना पड़ा था। अब वह बांग्लादेश की कार्यवाहक सरकार के प्रधानमंत्री बने हैं। विपक्षी दलों के नेताओं को जेल से रिहा किया गया है। बांग्लादेश में लोकतंत्र की स्थापना के प्रयास शुरू हो गए हैं। पाकिस्तान की हालत भी इससे इतर नहीं है। श्रीलंका में भी यही सब हुआ था।

बीजों का सुरक्षित भण्डारण

पिंकी शर्माए पूनम यादव
पादप व्याधि विभाग, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर-303329

कृषि में उन्नत बीज का स्थान सर्वोपरि है क्योंकि उन्नत खेती को नीव एक अच्छे बीज पर ही आधारित है अतः बीजों का उचित भण्डारण बहुत जरूरी है। बीज पैदा करके उसे बोने तक भण्डारण का महत्वपूर्ण स्थान है। भण्डारित किये गये बीजों में ज्यादात्तर नुकसान कीटों द्वारा ही होता है। इसके अलावा चूहें, चिड़िया, दीमक एवं फफूंद आदि द्वारा भी नुकसान होता है। बीजों में कीट पैदा होने से बीजों की अंकुरण क्षमता, ओज एवं गुणवत्ता पर सबसे ज्यादा प्रभाव पड़ता है। इससे खराब बीज न तो बाने लाइक और न ही खाने लाइक रहता है। इसलिए बीजों का भण्डारण पूरी सावधानी एवं देखरेख के साथ करनी चाहिए।

भण्डारित बीजों का नुकसान निम्न कारकों पर निर्भर करता है

1.बीज में अधिक आर्द्रता का होना।
2.खेत से ही सक्रमणित बीजों का भण्डारण
3.कीटों द्वारा संक्रंमणित भण्डारण
4.भण्डारण के दौरान ताप एवं नमी में वृद्वि
5.भण्डारण में ऑक्सीजन की उपलब्धता

हमारे देष में अधिकतर किसान बीज स्वयं भण्डारित करते है और उनमें से अधिकतमर बीजों का नुकसान कीटों से होता है। इन भण्डारित कीटों (खपरा, सुरसुरी, घून, पंतगा, तीली आदि) को लगभग सभी किसान जानते है परन्तु इन कीटों के प्रकोप से बचने के लिए उचित भण्डारण एवं नियन्त्रण पर ध्यान देकर होने वाले भौतिक नुकसान के साथ-साथ बीज की अकुंरण क्षमता एवं ओज को भी बरकरार रख सकते हे।

बीजों में लगने वाले प्रमुख कीटः-

भण्डारण के दौरान कीटों की लगभग चार दर्जन प्रजातियॉ बीजों को नुकसान पहुंचाती है। जिनमें से 10-15 प्रजातियॉ ज्यादा महत्वपूर्ण है। विभिन्न प्रकार के कीटों द्वारा विभिन्न प्रकार बीजों का नुकसान किया जाता है जिनमें से कुछ दानों को बाहर से खाते है। एवं कुछ अन्दर रहकर खाते हैं, जिनमें से प्रमुख कीट निम्नलिखित है।

1. टनाज की फसलों के बीजः- सूंड वाली सुरसुरी (सिटोफिलस, ओरायजी), चावल की सुरसुरी (ओराइजीफिलस सुरी नामेनसिस), गोदाम का पंतगा (कैडरा कॉटेला), मक्का का पंतगा (कोरसाइरा सिफैलोनिका), आटे का कीट (ट्राइबोलियम कैस्टेनियम), एवं खपरा बीटल (ट्रोगोडरमा ग्रेनेरियम)
2. दलहनी फसलों के बीजः- ढोरा (चार प्रजातियॉ- कैलोसोब्रुकस मैकुलेटस, कै. चाइनेनसिस, कै. एनालिए एवं ब्रुकस पाइसोरम घुन (राइजोपरथा डोमिनिका), खपरा बीटल (ट्रोगोडरमा ग्रेनेरियम), चावल पंतगा (कोरसाइरा सिफैलेनिका), एवं गोदाम का पंतगा (केडरा कॉटेला) समय छाया में सुखाकर बोरों या थैलियों में भरकर भण्डारित करना चाहिए।
3. बीजों में उचित नमीः- बीजों को भण्डारित करने से पूर्व यह जॉच कर ले कि बीजों में सामान्यतः 10 प्रतिषत से अधिक नमी न हो, लेकिन मूँगफली एवं सरसों में 7 प्रतिषत एवं धान में 12 प्रतिषत एवं अरण्डी में 8 प्रतिषत से अधिक नमी नही होनी चाहिए।
4. भण्डारण कक्ष/पात्र को कीट मुक्त करनाः- बीजों को जिस किसी कक्ष या पात्र में भण्डारित करना हो उसे भण्डारण पूर्व कीट मुक्त करना चाहिए। यदि भण्डारण कमरे या गोदाम में करना है तो उसे अच्छी तरह साफ करके मैलाथियान, क्लोरोपाइरीफॉस की 1 लीटर मात्रा 100 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करना चाहिए। यदि बीज को मटके में भण्डारित करना हो तो मटके के अन्दर व बाहर 10 मि.ली. मैलाथियान का छिड़काव करें।
5. बीज भण्डारण के पश्चात् बीजों कें नमी की वृद्वि रोकना एवं प्रघूमन करनाः- बीज भरे बोरों या थैलियों को लकड़ी के तख्ते या पॉलीथीन चादर या बॉस की चटाई पर रखना चाहिए ताकि उनमें नमी का प्रवेष न हो।। वर्षा ऋतु में भण्डारगृह में भण्डारित बीज होने के कारण कीटनाषी द्वारा उपचारित नही किया गया तो खेत से आये कीटों को नष्ट करने हेतु बीज को एल्युमिनियम फॉसफाइड से 6-9 ग्राम मात्रा प्रति टन बीज के हिसाब से प्रधूमित करना चाहिए।
6. कीट प्रकोप पर निगरानी एवं कीटनाषी का छिड़कावः- भण्डार कक्ष को प्रत्येक 15 दिन में एक बार जरूर देखना चाहिए ताकि बीज में कीट या फर्श पर कोई जीवित कीट दिर्खइा देने पर समय पर आवष्यकतानुसार कीटनाषी का छिड़काव या प्रधूमन किया जा सकें। सामान्यतः भण्डार कक्ष एवं बोरों पर 15 दिन के अन्तराल पर मैलाथियान, क्लोरोपाइरीफॉस की 1 लीटर मात्रा 100 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिए। बीज भण्डारण में प्रधूमन द्वारा कीटों से बचाव छिड़काव की अपेक्षा अधिक लाभकारी हैं इसलिए प्रधुमन का ही अधिकतम प्रयोग करें।

सावधानियॉ

1. बीजोपचार करते समय कीटनाषी को खुले हाथों से न छुए बल्कि किसी ड्रम में डालकर हिलाकर उपचारित करें।
2. उपचारित बोरियों या थेलियों पर स्पष्ट लिखा होना चाहिए।
3. कीटनाषी बच्चों की पहुॅच से दूर रखनी चाहिए।
4. कीटनाषकों का छिड़काव बदल-बदलकर करें।
5. प्रधुमन सदैव प्रभिक्षित व्यक्ति द्वारा ही करवायो।

गोभीवर्गीय में पोषक तत्वों की आवश्यकता

भूरापन या ब्राउनिंग - यह समस्या गोभीवर्गीय फसलों में बोरान की कमी से होता है।

लक्षण - भूरापन में शुरूआत में फूल में जल अवशोषित धब्बे पड़ जाते हैं, जो कि बाद में बड़े हो जाते हैं। इसके बाद तने में भी जल अवशोषित धब्बे पड़ते हैं तथा तना अंदर से खोखला हो जाता है। यदि भूरापन का प्रकोप ज्यादा होता है तो पूरा फूल में कुछ दिन बाद गुलाबी या भूरे रंग के धब्बे पड़ जाते हैं।

उपचार - बोरान की कमी को दूर करने के लिये 10-15 किलो बोरेक्स प्रति हेक्टर भूमि में पौध रोपण के समय देना चाहिए अथवा जब फसल खड़ी हो 0.1 प्रतिशत बोरेक्स घोल का छिड़काव करना चाहिए प्रथम छिड़काव पौध रोपण के दो सप्ताह पश्चात और दूसरा छिड़काव फूल बनने से दो सप्ताह पहले करना चाहिए।

व्हिपटेल - यह लक्षण गोभीवर्गीय फसलों में मालीब्डिनम नामक तत्व की कमी के कारण होता है।

लक्षण - मुख्यतः मालीब्डिनम की कमी अम्लीय भूमि में हो जाती है अर्थात् मालीब्डिनम अनुपलब्ध रूप से हो जाता है, जिससे पौधे इस तत्व का अवशोषण नहीं कर पाते और व्हिपटेल के लक्षण दिखाई देते है, इसमें शुरूआत में पौधे की वृद्धि रुक जाती है और पत्तियाँ सिकुड़ कर सफेद पड़ने लगती हैं तथा कुछ दिन बाद पत्तियां अपना आकार खो देती हैं और मिडरिब के अलावा शेष भाग सूख जाता है, जिसके कारण इसे सामान्यतः व्हिपटेल कहा जाता है।

उपचार - मालीब्डिनम की कमी को दूर करने के लिए अम्लीयता कम करने के उद्देश्य से 50-70 क्विंटल बुझा चूना प्रति हेक्टर खेत की तैयारी के समय भूमि में मिला देना चाहिए। इसके साथ ही पौध रोपण के पहले 2.5 से 5 किलो सोडियम मालीब्डेट प्रति हेक्टर भूमि में मिला देना चाहिए अथवा खड़ी फसल में 0.05ज सोडियम मालीब्डिट घोल का पौधों पर छिड़काव करना चाहिए।

बटनिंग - बटनिंग की समस्या गोभी वर्गीय फसलों के कई कारणों से होती है जैसे अधिक उम्र के रोप के कारण, नाइट्रोजन की कमी के कारण या समय के अनुसार उचित किस्मों को ना लगाने से ऐसा होता है।

लक्षण - फूलों का विकसित ना होकर छोटा रह जाना बटनिंग कहलाता है। इसमें फूलों का आकार छोटा हो जाता है तथा कम विकसित पत्तियाँ होती हैं।

उपचार - बटनिंग को रोकने के लिये अगेती या पिछेती किस्में अनुशंसित समय पर ही लगाएं, पौधे की वृद्धि चाहे वह नर्सरी में हो या खेत में नहीं रूकनी चाहिए। अधिक सिंचाई न करें। जो पौधा नर्सरी में अधिक दिन के हो उन्हें खेत में न लगाएं और नाइट्रोजन की उचित मात्रा पौधों को समय-समय पर दें।

रेसीयनेस - रेसीयनेस के लक्षण मुख्यतः वातावरण में अनुकूल तापमान की कमी, अधिक नाइट्रोजन देने के कारण तथा अधिक आर्द्रता के कारण होती हैं।

लक्षण - समय से पूर्व अविकसित कली को रेसीयनेस कहते हैं। इसमें फूल की ऊपरी सतह ढीली पड़ जाती है तथा सफेद छोटी कलिका बन जाती है।

उपचार - रेसीयनेस से उपचार के लिये उचित किस्म का चयन करें, समय पर पौधों की रोपाई करें, नाइट्रोजन की उचित मात्रा का प्रयोग करें तथा प्रतिरोधी किस्मों का चयन करें।

बगीचों की स्थापना व प्रबंधन

नवीन उद्यान का विन्यास (लेआउट) कैसे करें-

नवीन उद्यान का विन्यास (रेखांकन) एक बहुत तकनीकी एवं महत्वपूर्ण क्रिया है। सर्वप्रथम क्षेत्रफल नाप लिया जाये तथा उसका क्षेत्रफल ज्ञात करें फिर चयनित फल एवं उसकी प्रजाति के आधार पर निर्धारित करें कि कतार से कतार एवं पौधे से पौधे की दूरी निर्धारित करें। उद्यान रेखांकन करते समय निम्नलिखित उद्यान स्थल निर्धारित करें-

- सड़क एवं मार्ग
- फार्म हाउस (कार्यालय, भंडार, निवास) के लिए स्थल
- सिंचाई पद्धति के लिये पम्प हाउस, नलकूप, कुआं, फार्म पाँड का स्थान निर्धारित करें। आजकल ड्रिप एवं फव्वारा सिंचाई प्रचलित है। अतः उसके रेखाकंन के लिये स्थल निर्धारित करें।
- जल निकास हेतु नाली आदि निर्माण हेतु स्थल
- पौधों को लगाने का स्थल
- फार्म पर कम्पोस्ट, नाडेप, केंचुआ खाद आदि का स्थल
- बगीचे के लिये स्वयं की रोपणी हेतु भी स्थल निर्धारित करें।

नवीन बगीचे के लिये प्रारंभिक तैयारियां - स्थल निर्धारण के पश्चात भूमि की सप्लाई, सर्वेक्षण, मिट्टी परीक्षण, समतलीकरण, मिट्टी की जुताई, बगीचे के चारों ओर बागड़-तार, पत्थर की दीवार, वायु अवरोध लगाएं.

फल पौध रोपण - फल पौध रोपण की प्रचलित पद्धतियां निम्न प्रकार की है - **वर्गाकार पद्धति** - वृक्ष की आवश्यकता के अनुसार वर्ग का आकार रखा जाता है। इस पद्धति में पौधे वर्ग के कोने पर लगाए जाते हैं।

आयताकार- इस पद्धति में कतार से कतार की दूरी तथा पौधों की दूरी निर्धारित की जाती है॥

त्रिभुजाकार या षटभुजाकार पद्धति।

पंचवृक्षीया गौपूरक पद्धति- यह वर्गाकार की परिवर्तित पद्धति है इसके वर्ग के मध्य से एक और पौधा बनाया जाता है।आजकल संकर प्रजातियां आम में विकसित की गयी है उन्हें कम दूरी पर बनाया जाता। इसके अतिरिक्त हाईडेन्सिटी पद्धति से रोपण ऊंचाई के आधार पर किया जाता है।

कंटूर के आधार पर रोपण - ऊंची-नीची एवं ढाल भूमि में समोच्च (कन्टूर) के आधार पर रोपण किया जाता है।

पौधों की दूरी निर्धारित करना एवं वृक्षों की वृद्धि को ध्यान में रखकर पौध रोपण के लिये गड्ढों का खोदना - यह एक महत्वपूर्ण कार्य है। भूमि में मिट्टी की गहराई को ध्यान में रखते हुए फल चयन करें तथा उसकी भावी वृद्धि एवं विकास को ध्यान में रखते हुए रोपण के लिए गड्ढे वर्गाकार पद्धति से या मिट्टी आकार द्वारा खोदें।

रोपण के लिये पौधों का चयन

- पौधे जो वानस्पतिक तरीके या टिशू कल्चर अथवा बीज से तैयार हो उनकी पूरी विश्वसनीयता की जानकारी प्राप्त करके ही लें। उनकी पे डिग्री ज्ञात कर लें. जब तक शासकीय/ पंजीकृत रोपणी से ही पौधे लें तथा पौधों पर टैग लगा हो।
- प्रत्येक पौधे को देखें कि उसकी जूटी जिसमें पौधों की जड़ पंकी हो वह सही हो। ग्राफ्ट की जड़े सायन एवं रूट स्टाक की मोटाई बराबर हो तथा सही तरीके से जुड़ी हों।
- पौधे की बीमारी आदि से ग्रसित न हों। उनकी आयु आदि ज्ञात कर लें।
- जो पौधे चाहे ग्राफ्ट हो,गूटी कलम आदि जैसे भी हो उन्हें भली-भांति परख लें तथा एक सप्ताह तक क्यारी में उतार कर रखें। जो पौधे सही तरह के स्वस्थ हों उन्हें ही लगायें।
- पौधे लगाते समय पौधा गड्ढे के बीज में सीधा लगाया जाये। जड़ को दोनों हाथों से ढीला बांध भली-भांति गड्ढे की मिट्टी के साथ दवाएं जिससे वह भली-भांति स्थिर हो जावे सिंचाई करें। रोपण क्रिया जुलाई, अगस्त, सितम्बर या फरवरी मार्च में लगायें। उसकी सुरक्षा करें तथा कुछ पौधे पृथक रखें जिससे मृदा पौधों के स्थान पर रोपण करें।

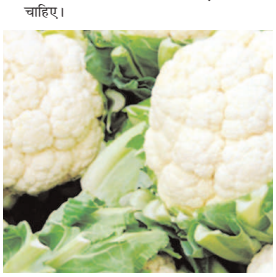

फल देने वाले बगीचों का प्रबंधन- जो पौधे फलन स्थिति या किशोर अवस्था में हो उनकी देखभाल एवं वांछित औाद्योगिक क्रियाएं क्षेत्र के लिये अनुशंसित विधि से करें। जैसे- कांटछांट का कृन्तन क्रिया कृषि क्रियाएं अनुशंसित खाद एवं उर्वरक निर्धारित मात्रा में डालें, तने को पानी के सम्पर्क में सीधे न आने दें इसलिये उनकी आयु के अनुसार मिट्टी जड़ के ऊपर लगाये, समय पर सिंचाई, निंदाई तथा पौध संरक्षण उपाय करें। फलों की तुड़ाई करें। आम के वृक्षों पर माम फोर्मेशन हो उसे काटकर पृथक करें। जिन पौधों के तने कमजोर हो उन्हें सहारा दें। पौधे के मूल वृन्द से निकलने वाली शाखाओं को काट दें। पौधोंको सही आकार देने के लिए कटाई, छंटाई जरूरी है।

सैमसंग ने 11.2 लाख इलेक्ट्रिक मॉडल वापस मंगाए

न्यूयॉर्क ।

सैमसंग ने आग लगने के 250 मामले सामने आने की शिकायत के बाद स्टोवटॉप के लिए उपयोग किए जाने वाले 11.2 लाख से अधिक इलेक्ट्रिक मॉडल को वापस मंगाया है । अमेरिकी कंज्यूमर प्रोडक्ट सेफ्टी कमीशन (सीपीएससी) ने बताया कि इन स्लाइड-इन रेंज में आगे की तरफ नॉब लगे होते हैं जो गलती से चालू हो सकते हैं अगर इंसान या जानवर अनजाने में उनसे टकरा जाए तो भी यह चालू हो जाते हैं। इससे आग लगने का खतरा होता है। सीपीएससी के अनुसार सैमसंग को 2013 से अभी तक नॉब के अनजाने में चालू होने की 300 से अधिक शिकायत मिली हैं। आग लगने की करीब 250 घटनाएं हुई हैं।

इनमें से कम से कम 18 घटनाओं में संपत्ति को काफी नुकसान हुआ और सात में पालतू जानवरों की जान चली गई। 40 लोग घायल हुए, जिनमें से आठ को चिकित्सकीय सहायता लेनी पड़ी। वापस बुलाए गए मॉडल मई 2013 और अगस्त 2024 के बीच सैमसंग.कॉम पर ऑनलाइन बेचे गए थे।

साथ ही देशभर के खुदरा विक्रेताओं बेस्ट बाय, कॉस्टको, होम डिपो और लोव्स आदि के जरिये भी बेचे गए थे। जिन ग्राहकों से इन मॉडल को वापस बुलाया गया है उन्हें न्यू जर्सी स्थित सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स अमेरिका से संपर्क कर अपने मॉडल के अनुरूप निःशुल्क नॉब लॉक या कवर लेने का विकल्प दिया गया है।

ई-कॉमर्स क्षेत्र त्योहारों से पहले करेगा 12.5 लाख नियुक्तियां

मुंबई । त्योहारी सीजन के दौरान मांग में बढ़ोतरी होने की संभावनाओं को देखते हुए ई-कॉमर्स क्षेत्र 12.5 लाख भर्तियां करने पर विचार कर रहा है। इनमें 10 लाख अस्थायी और 2.5 लाख अनुबंधित कर्मचारियों को नियुक्ति हो सकती है। टीमलीज सर्विसेज ने कहा कि त्योहारी सीजन में ई-कॉमर्स उद्योग की बिक्री में 35 फीसदी वृद्धि की उम्मीद है। टीमलीज सर्विसेज के एक वरिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि यह भर्ती न सिर्फ रोजगार सृजन में ई-कॉमर्स क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है, बल्कि 2025 तक 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के भारत के लक्ष्य में इसके महत्वपूर्ण योगदान को भी दर्शाता है। आईटी कंपनियां धीरे-धीरे मंदी से बाहर निकलने लगी हैं। आने वाले समय में ये अच्छी खासी भर्तियां करने के लिए तैयार हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक अगले साल तक इस क्षेत्र में नियुक्तियों में 8.5 फीसदी की बढ़त हो सकती है। सभी तकनीकी नौकरियों में से 70 फीसदी मांग सॉफ्टवेयर के लिए है। पिछले साल के अंत और इस साल की शुरुआत में कुशल प्रतिभाओं की मांग तेजी से बढ़ी है।

झोपड़पट्टी पुनर्विकास प्राधिकरण ने बिल्डरों से वसूले 700 करोड़

मुंबई । झोपड़पट्टी पुनर्विकास प्राधिकरण (एसआरए) ने पिछले एक साल में 192 प्रॉजेक्ट से जुड़े बिल्डरों से 700 करोड़ रुपए की किराया राशि वसूल की है। इस राशि से 17,992 परिवारों की किराए की समस्या का समाधान हो गया है। एसआरए ने बिल्डरों से बकाया किराया वसूलने के बाद इसे झोपड़पट्टीवासियों में वितरित करना शुरू कर दिया है। एसआरए को लंबे समय से बिल्डरों के खिलाफ यह शिकायतें मिल रही थीं कि प्रॉजेक्ट के लिए घर तोड़ने के बाद भी झोपड़ाधारकों को किराया नहीं दिया जा रहा था। इसके बाद एसआरए ने 2023 में एक विशेष मुहिम शुरू की, जिसमें बकाया किराए की वसूली पर जोर दिया गया। 2023 तक बकाया किराया 600 करोड़ रुपए तक पहुंच चुका था। एसआरए के प्रवक्ता के अनुसार, इस विशेष मुहिम के तहत जुलाई 2024 तक 700 करोड़ रुपए की वसूली की गई है। शिकायतें मिलने पर बकाया किराया न देने वाले बिल्डरों को नोटिस भेजी जा रही हैं। नोटिस के बाद भी यदि किराया जमा नहीं होता, तो संबंधित प्रॉजेक्ट और बिल्डरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। एसआरए के सैकड़ों प्रॉजेक्ट कई वर्षों से अटके पड़े हैं। एसआरए की अनुमति मिलने के बाद बिल्डरों ने प्रॉजेक्ट के नाम पर हजारों झोपड़ियों को तोड़ दिया, लेकिन कुछ महीनों तक किराया देने के बाद, कई बिल्डरों ने हजारों परिवारों का किराया रोक दिया। एसआरए के लचीले नियमों के कारण हजारों परिवारों को गंभीर आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ा, जिससे वे कठिनाई में पड़ गए। नागरिकों की बढ़ती नाराजगी के बाद, एसआरए ने बिल्डरों को नोटिस भेजने और बकाया किराया वसूलने की प्रक्रिया में तेजी लाई है, ताकि इन परिवारों को राहत मिल सके।

सैनिटरीवेयर विनिर्माता ग्रोटो पूर्वोत्तर में करेगी विस्तार

गुवाहाटी । लक्जरी सैनिटरीवेयर विनिर्माता ग्रोटो ने कहा कि उसकी योजना अगले तीन महीनों में पूर्वोत्तर भारत में अपने बाजार का विस्तार करने की है। ग्रोटो के एक अधिकारी ने बयान में कहा कि कंपनी की योजना क्षेत्र के प्रमुख शहरों में डीलर आउटलेट पर अपने नवीन तथा उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद उपलब्ध कराने की है। हम पूर्वोत्तर भारत में अपने उत्पाद की उपलब्धता बढ़ाने की अपनी योजना की घोषणा करते हुए उत्साहित हैं। यह विस्तार हमारे लिए एक महत्वपूर्ण कदम है और हम यहां अधिक ग्राहकों तक पहुंचने के लिए प्रतिबद्ध हैं। अधिकारी ने कहा कि ग्रोटो अपने उत्पादों की व्यापक श्रृंखला को बीएआईसी प्रदर्शनी 2024 में प्रदर्शित करेगा, जो पूर्वोत्तर भारत में भवन निर्माण सामग्री, वास्तुकला, आंतरिक डिजाइन और निर्माण का सबसे बड़ा कार्यक्रम है। यह कार्यक्रम 9 अगस्त से गुवाहाटी में आयोजित किया जा रहा है जो 11 अगस्त तक चलेगा।

ओला इलेक्ट्रिक का शेयर 11 फीसदी तेजी के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली । इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन बनाने वाली कंपनी ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी का शेयर निर्गम मूल्य 76 रुपये से लगभग 11 प्रतिशत उछाल के साथ शुक्रवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर निर्गम मूल्य से 0.01 प्रतिशत की बढ़त के साथ 75.99 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। बाद में यह 10.71 प्रतिशत उछलकर 84.14 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर कंपनी का शेयर निर्गम मूल्य 76 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। बाद में कारोबार 10.80 प्रतिशत चढ़कर 84.21 रुपये पर पहुंच गया। भाविश अग्रवाल की अगुवाई वाली कंपनी का बाजार मूल्यांकन शुरुआती कारोबार में 36,742.21 करोड़ रुपये था। कंपनी के 6,145 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को पेशकश के आखिरी दिन मंगलवार को 4.27 गुना अभिदान मिला था। आईपीओ में 5,500 करोड़ रुपये तक के ताजा शेयर और 8,49,41,997 शेयर की बिक्री पेशकश शामिल थी। इसके लिए मूल्य दायरा 72 से 76 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था।

एसबीआई को चालू वित्तीय वर्ष में 7 फीसदी वृद्धि दर रहने का अनुमान

नई दिल्ली । भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने अपनी एक सालाना रिपोर्ट में देश की वास्तविक जीडीपी की वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष में 7 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। यह आंकड़ा भारतीय रिजर्व बैंक के 7.2 फीसदी के अनुमान से थोड़ा कम है। स्टेट बैंक ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में बताया कि वृद्धि दर में 20 आधार अंकों की गिरावट का कारण वैश्विक स्तर पर जारी अनिश्चितता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि हमें वास्तविक सकल घरलू उत्पाद की वृद्धि दर वित्तीय वर्ष 2024-25 में 7 फीसदी रहने का अनुमान है। अनुमानों में कटौती का आधार वैश्विक स्तर पर बढ़ी हुई अनिश्चितताएं हैं। रिपोर्ट में गिरावट के बावजूद यह कहा गया है कि भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत विकास प्रदर्शित कर रही है और इस साल सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बने रहने की उम्मीद है। एसबीआई की रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2025 के लिए उसका जीडीपी अनुमान कई सकारात्मक कारकों पर आधारित है, जिसमें लाभांश द्वारा समर्थित राजकोषीय बफर में वृद्धि, मानसून की स्थिति में सुधार के कारण कृषि गतिविधि में प्रत्याशित रिकवरी और मजबूत विनिर्माण गतिविधि के बीच निजी पूंजीगत व्यय में वृद्धि शामिल है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 820 , निफ्टी 250 अंक उछला

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 819.69 अंक बढ़कर 79,705.91 अंक पर जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 250.50 अंक ऊपर आकर 24,367.50 अंक पर बंद हुआ। इस सप्ताह की शुरुआत भारी गिरावट के साथ हुई थी, जिसकी वजह अमेरिका में बेरोजगारी दरों में आई गिरावट और बैंक ऑफ जापान की तरफ से ब्याज दरों में 0.25 फीसदी की बढ़ोतरी थी पर अब फिर से बाजार में सुधार आया है। इससे सेंसेक्स और निफ्टी, दोनों हरे निशान में बंद हुए।

वहीं आज सुबह से ही बाजार की अच्छी शुरुआत हुई। इसका कारण अमेरिकी बाजार में सुधार के साथ ही निवेशकों के मन में मंदी की आशंकाएं कम होना है।

आज निफ्टी के सबसे अधिक लाभ वाले शेयरों में वाहन कंपनियों के शेयर रहे। आयशर मोटर्स के शेयर आज 5.68 फीसदी ऊपर आये और ये नंबर एक पर पहुंच गया। वहीं महिंद्रा एंड महिंद्रा 3.05 फीसदी, श्रीराम फाइनेंस 2.88 फीसदी, टाटा मोटर्स 2.81फीसदी और टेक महिंद्रा के शेयर भी 2.63फीसदी बढ़े।

दूसरी ओर नुकसान वाले शेयरों में एचडीएफसी लाइफ सबसे ऊपर रहा। उसके शेयरों में आज 1.09 फीसदी की गिरावट रही जबकि कोटक बैंक 0.16 फीसदी, मारुति सुजूकी इंडिया 0.12 और सन फार्मा 0.10 के शेयर भी सबसे अधिक नुकसान वाले शेयर रहें। निफ्टी के 50 शेयरों में सिर्फ यहीं चार शेयर ऐसे थे, जो आज गिरावट पर बंद हुए। वहीं दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में, टोक्यो, सियोल और हांगकांग के शेयर ऊपर आये जबकि शंघाई नीचे आया। वहीं यूरोपीय बाजार से भी सकारात्मक संकेत मिले हैं। गत दिवस अमेरिकी बाजार काफी बढ़त पर बंद हुए। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने गत दिवस 2,626.73 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची।

वहीं आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। बेंचमार्क सेंसेक्स 789 अंक उछलकर 79,675 पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी50 235 अंक बढ़कर 24,352 के स्तर पर आ गया। बीएसई सेंसेक्स के सभी शेयरों में तेजी देखने को मिल रही है। खासकर, आईटी सेक्टर शानदार प्रदर्शन करते दिखे। टेक महिंद्रा, इंफोसिस, टीसीएस और एचसीएल टेक जैसे प्रमुख आईटी शेयरों में 2 फीसदी तक की बढ़त रही।

सीबीडीटी आयकर बकाये की वसूली के लिए अभियान शुरू करेगा

मुंबई ।

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने कहा है कि वह लंबित आयकर बकाये की वसूली के लिए अभियान शुरू करने की तैयारी कर रहा है। विभाग ने सितंबर के अो खिर तक ऐसे 5,000 बड़े मामलों की पहचान करने के लिए एक विशेष टीम का गठन करेगा। ये मामले कुल बकाया करों के लगभग 60 फीसदी हिस्से के लिए जिम्मेदार होंगे।

यह कार्रवाई सीबीडीटी की केंद्रीय कार्ययोजना का हिस्सा है, जिसमें अधिकारियों को पुराने कर मामलों को प्राथमिकता के साथ निपटाने के निर्देश दिए गए हैं। इस संदर्भ में सीबीडीटी ने जोर दिया है कि पिछली कर मांगों को निपटाने के लिए गंभीर प्रयासों की आवश्यकता है और इसके लिए लक्ष्यों को तय किया गया है। इन मामलों में करदाताओं को पहले ही नोटिस भेजे जा चुके हैं लेकिन विभिन्न कारणों से अभी तक भुगतान नहीं किया गया है। कानूनी मुकदमे, कंपनियों का बंद होना, करदाताओं का पता नहीं लग पाना और स्रोत पर कर कटौती में विसंगतियों के कारण ऐसे मामलों की संख्या बढ़ गई है। इसके अलावा कुछ मामलों पर अदालतों या न्यायाधिकरणों द्वारा रोक लगाने का आदेश भी दिया गया है। 1 अप्रैल तक लंबित कर बकाया 43 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है, जबकि 1 अप्रैल, 2023 में यह 24 लाख करोड़ रुपए था। सीबीडीटी ने अपनी कार्ययोजना में इसे अत्यधिक वृद्धि बताते हुए तत्काल कदम उठाने की आवश्यकता पर बल दिया है।

रुपया आठ पैसे मजबूत होकर 83.89 डॉलर पर

मुंबई । घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख और अमेरिकी डॉलर सूचकांक में गिरावट के बीच रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में आठ पैसे मजबूत होकर 83.89 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.95 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद 83.89 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से आठ पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया गुरुवार को 83.97 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 प्रतिशत की गिरावट के साथ 103.17 पर रहा।

देश के बियरेबल उपकरणों की शिपमेंट में बड़ी गिरावट

- जून 2024 की तिमाही में 10 प्रतिशत घटकर 29.5 मिलियन यूनिट रह गई

नई दिल्ली ।

एक मार्केट रिसर्च फर्म ने कहा कि भारत में वियरेबल उपकरणों की शिपमेंट में पहली बार गिरावट दर्ज की गई, जो जून 2024 की तिमाही में 10 प्रतिशत घटकर 29.5 मिलियन यूनिट रह गई। पुराने मॉडलों के बड़े स्टॉक की बिक्री नहीं होने और इस सेगमेंट में नवाचार के निचले स्तर से ऐसा हुआ। रिपोर्ट के अनुसार वनप्लस के साथ ओप्पो में साल दर साल 35.8 प्रतिशत की शिपमेंट में सबसे बड़ी गिरावट आई। इसके बाद फायर-बोल्ट का स्थान रहा, जिसके पहनने योग्य उपकरणों की शिपमेंट में 24.3 प्रतिशत की गिरावट आई, नॉइज में 13.9 प्रतिशत की गिरावट आई और बोट में साल दर साल 9.8 प्रतिशत की गिरावट आई। प्रमुख पांच ब्रांडों में बोल्ट एकमात्र खिलाड़ी था, जिसने शिपमेंट में 9.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। कुल शिपमेंट में गिरावट के बावजूद, बोट ने 26.7 प्रतिशत शेयर के साथ वियरेबल सेगमेंट का नेतृत्व किया, इसके बाद नॉइज (नेक्सबेस) ने 13 प्रतिशत शेयर, बोल्ट ने 8.1 प्रतिशत, फायर-बोल्ट ने 8 प्रतिशत, ओप्पो (वनप्लस के साथ संयुक्त) ने 7.6 प्रतिशत शेयर हासिल किए। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि त्योहारों के मौसम की शुरुआत से पहले पुराने स्टॉक को साफ करने पर ध्यान केंद्रित करने के साथ बिक्री ताओं द्वारा सावधानीपूर्वक इन्वेंट्री स्टॉकिंग और कम नए लॉन्च इस गिरावट के प्रमुख कारण थे। समग्र वियरेबल्स के लिए औसत बिक्री मूल्य (एएसपी) भी 21 अमेरिकी डॉलर (1,763 रुपये) से 18.8 अमेरिकी डॉलर (लगभग 1,580 रुपये) के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया। कुल शिपमेंट में गिरावट स्मार्टवॉच के शिपमेंट में 27.4 प्रतिशत की गिरावट के कारण हुई, जो एक साल पहले 12.77 मिलियन से रिपोर्ट की गई तिमाही के दौरान 9.27 मिलियन हो गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन्वेंट्री क्लियर करने के लिए कीमतों में कटौती और बैंड्स द्वारा छूट दिए जाने के कारण स्मार्टवॉच एएसपी एक साल पहले के 25.6 डॉलर से गिरकर 20.6 डॉलर पर आ गया। एडवांस्ड स्मार्टवॉच में 21.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि बाजार हिस्सेदारी 1.5 से बढ़कर 2.5 प्रतिशत हो गई। स्मार्टफोन सेगमेंट में सबसे ज्यादा नुकसान बोट को हुआ, जिसकी शिपमेंट में सालाना आधार पर करीब 45 प्रतिशत की गिरावट आई। इसके बाद नोइज का स्थान रहा, जिसकी शिपमेंट में 32.4 प्रतिशत, फायर बोल्ट का 26.1 प्रतिशत और बोल्ट का 16.6 प्रतिशत की गिरावट आई। टाइटन एकमात्र ऐसा ब्रैंड रहा, जिसने स्मार्टफोन शिपमेंट में करीब 69 प्रतिशत की उछाल दर्ज की।

फिर सस्ता हुआ सोना, चांदी हुई महंगी

सोना 69,600 रुपए, चांदी लगभग 80,750 रुपए

नई दिल्ली ।

सोने के वायदा भाव की शुरुआत शुक्रवार को गिरावट के साथ हुई, जबकि चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। सोने के वायदा भाव 69,600 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 80,750 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सोने व चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। लेकिन सोना के भाव बाद में सुस्त पड़ गए। सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रेक्ट 234 रुपये की गिरावट के साथ 69,470 रुपये के भाव पर खुला। इसके बाद यह 92 रुपये की गिरावट के साथ 69,612 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 71 रुपये की तेजी के साथ 80,686 रुपये पर खुला। इसके बाद यह 142 रुपये की तेजी के साथ 80,755 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने व चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। लेकिन बाद में सोने के भाव लुढ़क गए। कॉमेक्स पर सोना 2,467.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,463.30 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 3.60 डॉलर की गिरावट के साथ 2,459.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 27.64 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 27.60 डॉलर था। इस समय यह 0.06 डॉलर की तेजी के साथ 27.66 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

टाटा मोटर्स की इलेक्ट्रिक कार टाटा कर्व लॉन्च

- 8 सेकंड में 100 केएमपीएच की रफ्तार

नई दिल्ली ।

स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स की इलेक्ट्रिक कार टाटा कर्व लॉन्च हो गई है। भारतीय बाजार में यह पहली इलेक्ट्रिक एसयूवी कूपे कार है। देश की दिग्गज ऑटोमोबाइल कंपनी टाटा मोटर्स, टाटा कूर्व ईवी के लॉन्च के साथ इलेक्ट्रिक व्हीकल सेगमेंट का विस्तार कर रही है। इसमें 6 एयरबैग और अडास समेत 60 से ज्यादा एडवांस्ड सेफ्टी फीचर्स मिलेंगे। यह कार आइस और ईवी के दो वर्जन्स में उपलब्ध होगी। नेक्सॉन ईवी, टियागो ईवी, पंच ईवी और टिगोर ईवी जैसे मॉडलों के साथ टाटा मोटर्स ने पहले से इंडियन ईवी मार्केट में अपनी पॉजिशन को मजबूत बनाकर रखा है।टाटा मोटर्स ने यह कार पहली बार 2022 में ऑटो एक्सपो में दिखाई थी। इसके बाद से ही लोग इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। टाटा कर्व ईवी कई फीचर्स से लैस। इसका डिजाइन से लेकर इंटीरियर बेहद खास है। टाटा कूर्व की सबसे बड़ी खासियत इसका माइलेज है। कंपनी का दावा है कि यह एसयूवी एक बार फुल चार्ज करने पर 500 किलोमीटर तक दौड़ेगी। कर्वव ईवी की रेंज 585 किमी होने का दावा किया गया है।

कंपनी का कहना है कि यूजर्स रीयल लाइफ में 400-425 किमी के बीच की रेंज की उम्मीद कर सकते हैं। टाटा कर्व में 12.3-इंच का टचस्क्रीन, एसी के लिए टच कंट्रोल्स और पैनारॉमिक सनरूफ शामिल हैं। इसमें नेक्सॉन की तरह सेंटर कंसोल, ड्राइव मोड सिलेक्टर समेत वायरलेस चार्जर और स्टार्ट-स्टॉप बटन जैसे फीचर्स शामिल हैं। टाटा कर्ववी ईवी में 18 इंच के व्हील और 190 मिमी का ग्राउंड क्लीयरेंस मिलता है। इस गाड़ी में 500 लीटर का बूट स्पेस भी है। यह गाड़ी 123 केडब्ल्यूएच मोटर से लैस होगी, जिससे केवल 8.6 सेकंड में टाटा कर्व 0 से 100 किमी/घंटा की रफ्तार पकड़ने में सक्षम होगी। टाटा कर्व ईवी दो बैटरी पैक ऑप्शन के साथ मिलेगी। इसमें एक 45केडब्ल्यूएच पैक जिसकी रेंज 502 किमी है और दूसरा 55 केडब्ल्यूएच पैक है जिसमें 585 किमी की रेंज का दावा किया गया है।

एलआईसी अब हेल्थ इंश्योरेंस कारोबार में भी करेगी प्रवेश!

नई दिल्ली ।

देश की प्रमुख बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) अब हेल्थ इंश्योरेंस कारोबार में भी प्रवेश करने पर विचार कर रही है। हेल्थ इंशे योरेंस कारोबार के लिए एलआईसी किसी हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी का अधिग्रहण करने की योजना बना रही है। देश में अभी पांच प्रमुख बीमा कंपनियां, स्टार हेल्थ एंड एलाइड इंश्योरेंस, निवा बूपा, आदित्य बिड़ला हेल्थ इंश्योरेंस, केयर हेल्थ इंश्योरेंस और मणिपाल सिग्ना हेल्थ इंश्योरेंस, काम कर रही हैं। बीमा नियामक इरेडा ने हाल ही में दो कंपनियों गैलेक्सी हेल्थ और नारायण हेल्थ को भी बीमा कारोबार की अनुमति दी है। एलआईसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने एलआईसी के पास 14.1 लाख से ज्यादा एजेंट हैं, जो दुनिया भर की बीमा कंपनियों में सबसे बड़ी एजेंसी फोर्स में से एक है। सूत्रों के अनुसार निगम के ज्यादातर एजेंट पहले से ही दूसरी निजी कंपनियों के लिए स्वास्थ्य बीमा वितरित कर रहे हैं क्योंकि नियम एक एजेंट को जीवन और गैर-जीवन बीमा कंपनियों के लिए काम करने की अनुमति देते हैं। अगर एलआईसी भी हेल्थ इंश्योरेंस बिजनेस में उतरती है तो उसके मौजूद एजेंट कंपनी के लिए बहुत फायदेमंद होंगे।

ओलंपिक विवाद के बाद स्वदेश लौटी अंतिम पंघाल

नई दिल्ली। पेरिस में ओलंपिक खेलों के खेल गांव में अनुशासनात्मक उल्लंघन के कारण विवादों में घिरी भारतीय पहलवान अंतिम पंघाल शुक्रवार को स्वदेश लौट आईं। यह पहलवान गुरुवार को तब चर्चा में आ गई थी जब उन्होंने अपने मान्यता कार्ड पर अपनी बहन को खेल गांव में प्रवेश करवाने की कोशिश की थी और बाद में पुलिस ने उन्हें बुलाया।इस घटना ने देश को शर्मसार किया और भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने अंतिम और उनके सहयोगी स्टाफ को तुरंत ही स्वदेश वापस भेजने का फैसला किया।विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता अंतिम ने हालांकि कहा कि उनका कुछ भी गलत करने का इरादा नहीं था लेकिन खेल गांव के नियमों का उल्लंघन करने के लिए उन पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है।भारतीय टीम की जर्सी पहनकर यहां इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचने वाली अंतिम तुरंत ही बाहर निकल गई और उन्होंने पत्रकारों से बात करने से इनकार कर दिया।अंतिम बुधवार को महिलाओं की कुश्ती के 53 किग्रा भार वर्ग में अपना पहला मुकाबला हारने के बाद ओलंपिक से बाहर हो गई थीं।भारत वापस लौटने से पहले मीडिया से बात करते हुए 19 वर्षीय अंतिम ने कहा, ''मेरा कुछ भी गलत करने का इरादा नहीं था। मेरी तबीयत ठीक नहीं थी और भ्रम की स्थिति थी। यह सब भ्रम की वजह से हुआ।''बाद में एक वीडियो में अंतिम ने स्वीकार किया कि उसे पुलिस थाने जाना पड़ा लेकिन केवल अपने मान्यता कार्ड के सत्यापन के लिए। उन्होंने कहा, ''यह मेरे लिए अच्छा दिन नहीं था। मैं हार गई। मेरे बारे में बहुत कुछ फैलाया जा रहा है, यह सच नहीं है। मुझे तेज बुखार था और मैंने अपनी बहन के साथ होटल जाने के लिए अपने कोच से अनुमति ली थी।''अंतिम ने कहा, ''मुझे अपने कुछ सामान की जरूरत थी जो खेल गांव में था। मेरी बहन ने मेरा कार्ड लिया और वहां अधिकारियों से पूछा कि क्या वह मेरा सामान ले सकती है। वे उसे मान्यता कार्ड के सत्यापन के लिए उसे पुलिस स्टेशन ले गए।'' उन्होंने इस बात से भी इनकार किया कि उनके कोच नशे में थे और किराए को लेकर टैक्सी ड्राइवर से उनकी कहासुनी हो गई थी।अंतिम ने कहा, ''मेरे कोच प्रतियोगिता स्थल पर ही रुक गए थे और जब वे वापस आना चाहते थे तो हमने उनके लिए एक कैब बुक की। मेरे कोच के पास पर्याप्त नकदी नहीं थी और भाषा संबंधी समस्याओं के कारण टैक्सी ड्राइवर से उनकी बहस हो गई।''

संकल्प और समर्पण की मिसाल हैं अरशद नदीम

कराची। पाकिस्तान का राष्ट्रीय खेल बोर्ड जब यह तय कर रहा था कि पेरिस ओलंपिक के लिए जाने वाले सात खिलाड़ियों में से किसका खर्च वहन करना है तो उसे केवल अरशद नदीम और उनके कोच ही इस लायक लगे।नदीम और उनके कोच सलमान फ़ैयाज़ बट भाग्यशाली थे, जिनके हवाई टिकटों का खर्च पीएसबी (पाकिस्तान स्पोर्ट्स बोर्ड) ने वहन किया। पंजाब क्षेत्र के खानेवाल गांव के इस 27 वर्षीय खिलाड़ी ने गुरुवार को भाला फेंक में नए ओलंपिक रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीत कर उन पर दिखाए गए भरोसे को सही ठहराया।छह फुट तीन इंच लंबे नदीम ने गुरुवार की रात 92.97 मीटर भाला फेंक कर ओलंपिक का नया रिकार्ड बनाने के साथ स्वर्ण पदक जीता। भारत के नीरज चोपड़ा ने भी इस सत्र का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 89.45 मीटर की दूरी नापकर रजत पदक हासिल किया। यह 11 मुकाबलों में पहला अवसर है जबकि नदीम ने चोपड़ा को पीछे छोड़ा।चोपड़ा अपने करियर में अभी तक 90 मीटर भाला नहीं फेंक पाए हैं जबकि नदीम पहले भी यह कारनामा कर चुके हैं। चोपड़ा के पास जहां हर तरह की सुविधा उपलब्ध हैं वहीं नदीम ने ऐसा समय भी देखा था जब उनके पास अपने लिए भाला खरीदने के लिए भी पैसे नहीं थे।नदीम के पिता मोहम्मद अशरफ ने कहा, ''लोग नहीं जानते हैं कि अरशद इस मुकाम तक कैसे पहुंचा। उसके दोस्त, गांव के लोग और रिश्तेदार उसके लिए चंदा जुटाते थे ताकि वह अभ्यास और प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए दूसरे शहरों की यात्रा कर सके।''पाकिस्तान ने कुल सात खिलाड़ियों को पेरिस भेजा और उनमें से छह अपनी-अपनी स्पर्धाओं के फाइनल के लिए क्वालीफाई करने में असफल रहे। नदीम के फाइनल के लिए क्वालीफाई करने के बाद से ही उनके घर में जश्न मनाया जाने लगा था तथा उनके माता-पिता गांव वालों में मिठाई बांटने लग गए थे।नदीम पिछले कुछ समय से अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने पिछले साल विश्व चैम्पियनशिप में रजत पदक और राष्ट्रमंडल खेल 2022 में 90.18 मीटर थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता था। अपने करियर में कोहनी, घुटने और पीठ की समस्याओं से जूझने और दूसरे देश के खिलाड़ियों की तरह सुविधाएं नहीं होने के बावजूद नदीम ने जो कारनामा किया उसे पाकिस्तान के खेल इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाएगा।

किसी ने सोचा नहीं था लेकिन हमें पता था कि हम पदक जीतेंगे : फुल्टोन

पेरिस। भारतीय हॉकी टीम के कोच क्रेग फुल्टोन ने कांस्य पदक से अधिक की उम्मीद की थी लेकिन उन्हें खुशी है कि 'अंडरडॉग' भारतीय टीम ने निराशा से उबरकर पदक जीता। भारत ने स्पेन को 2.1 से हराकर कांस्य पदक अपने नाम किया।फुल्टोन ने कहा, ''हम इससे खुश नहीं है। हम पदक का बेहतर रंग चाहते थे लेकिन नहीं हुआ। लेकिन उसके बाद यही कर सकते थे कि पदक जीतकर ही लौटें।'' उन्होंने कहा, ''सबसे बड़ी बात यह है कि हम एक टीम बने और वह भी बहुत कम समय में। हमें विश्वास की जरूरत थी जो सबसे अहम है। हमने एशियाई खेलों से शुरूआत की हालांकि आस्ट्रेलिया में और प्रो लीग में कठिन समय भी देखा।'' उन्होंने कहा, ''हमें पता था कि हम पदक जीत सकते हैं। हम यहां अंडरडॉग की तरह आये थे। किसी ने सोचा नहीं था कि हम सेमीफाइनल में होंगे।''

पुणेरी पल्टन टीम में चोटिल नीना मित्तेलहम की जगह नतालिया बाजोर शामिल

मुंबई। पोलैंड की नतालिया बाजोर अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) के आगामी सत्र से पहले पुणेरी पल्टन टीम में नीना मित्तेलहम की जगह लेंगी। यह घोषणा शुक्रवार को की गई।दुनिया की 37वें नंबर की खिलाड़ी बाजोर जर्मनी की मित्तेलहम की जगह लेंगी जिन्हें पेरिस ओलंपिक के राउंड 32 के एकल मैच में हाथ में चोट लग गई थी। यूटीटी का आगामी सत्र 22 अगस्त से सात सितंबर तक चेन्नई में आयोजित होगा।पुणेरी पल्टन टीम- अयहिका मुखर्जी, अंकुर भट्टाचार्जी, अनिर्बान घोष, याशिनी शिवशंकर, नतालिया बाजोर (पोलैंड) और जोआओ मोंटेइरो (पुर्तगाल)।

सचिन तेंदुलकर बोले- विनेश फोगाट रजत पदक की हकदार, हमें फैसले का इंतजार

नई दिल्ली। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने पेरिस ओलंपिक में महिला 50 किग्रा कुश्ती स्पर्धा के फाइनल में पहुंचने के बाद अधिक वजन के कारण विनेश फोगाट को अयोग्य करार देने की आलोचना करते हुए इस पहलवान को रजत पदक का हकदार बताया। विनेश को पेरिस ओलंपिक में 50 किग्रा वर्ग की स्पर्धा के स्वर्ण पदक मुकाबले से पहले वजन मापने के दौरान 100 ग्राम अधिक पाया गया जिससे उन्हें अयोग्य करार दिया गया। विनश ने इस फैसले के खिलाफ खेल पंचाट का दरवाजा खटखटाया है। तेंदुलकर ने कहा कि खेलों में नियमों पर समय-समय पर गौर किया जाना चाहिये। उन्होंने शुक्रवार को 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''हर खेल के कुछ नियम होते हैं और उन नियमों को संदर्भ में देखने की जरूरत है, शायद कभी-कभी उन पर दोबारा गौर भी किया जाना चाहिये।'' उन्होंने लिखा, ''विनेश फोगाट ने निष्पक्षता से फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। वजन के आधार पर उसकी अयोग्यता फाइनल से पहले हुई थी और ऐसे में उससे रजत पदक छीन लिया जाना तर्क और खेल की समझ से परे है।'' मास्टर ब्लास्टर ने कहा कि अगर खिलाड़ी अनैतिक चीजों का इस्तेमाल करे तो उसे अयोग्य करना जायज है लेकिन विनेश के मामले में ऐसा नहीं हुआ है।उन्होंने कहा, ''यह समझ में आता अगर किसी एथलीट को प्रदर्शन बढ़ाने वाली दवाओं के उपयोग जैसे नैतिक उल्लंघनों के लिए अयोग्य घोषित कर दिया जाता। उस स्थिति में, किसी भी पदक से सम्मानित न किया जाना और अंतिम स्थान पर रखा जाना उचित होगा।'' उन्होंने कहा, ''विनेश ने शीर्ष दो में पहुंचने के लिए अपने प्रतिद्वंद्वियों को हराया।

भारतीय टीम अब एक माह आराम के बाद बांग्लादेश, न्यूज़ीलैंड और ऑस्ट्रेलिया से खेलेगी

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम को श्रीलंका दौरा समाप्त हो गया है। हस दौरे में भारतीय टीम को जहां टी20 में सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में 3-0 से जीत मिली थी। वहीं रोहित शर्मा की कप्तानी में एकदिवसीय सीरीज में उसे हार का सामना करना पड़ा है। भारतीय टीम को श्रीलंका में 27 साल के बाद किसी एकदिवसीय सीरीज में हार का सामना करना पड़ा है। अब भारतीय टीमको करीब एक माह से अधिक का ब्रेक मिला है। टीम अब अपना अगला मैच 19 सितंबर को बांग्लादेश से अपनी ही धरती पर खेलेगी (

हॉकी इंडिया कांस्य पदक जीतने वाली टीम के प्रत्येक खिलाड़ी को देगी 15 लाख रुपये

नई दिल्ली (एजेंसी)। हॉकी इंडिया ने पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम के प्रत्येक खिलाड़ी को 15-15 लाख रुपये और सहयोगी स्टाफ के हर सदस्य को 7.5 लाख रुपये के पुरस्कार देने की घोषणा की है।हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप टिर्की ने टीम के ऐतिहासिक प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा, ÷यह जीत हमारे खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ की कड़ी मेहनत, दृढ़ संकल्प और लचीलेपन का प्रमाण है। लगातार दो ओलंपिक पदक जीतना एक असाधारण उपलब्धि है जो विश्व मंच पर भारतीय हॉकी के पुनरुत्थान को दर्शाता है। हॉकी इंडिया की ओर से मैं पूरी टीम और सहयोगी स्टाफ को उनके असाधारण प्रदर्शन और समर्पण के लिए बधाई देता हूं। यह पुरस्कार राशि उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सराहना के तौर पर है। मैं पीआर श्रीजेश को उनके शानदार करियर और भारतीय हॉकी में उनके अमूल्य योगदान के लिए हार्दिक बधाई देना चाहता हूं। उनकी विरासत आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगी।÷हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, ÷भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने पेरिस में अपनी उल्लेखनीय उपलब्धि से एक बार फिर देश को गौरवान्वित किया है। टीम की एकता, कौशल और दृढ़ता ने देश भर के लाखों हॉकी प्रशंसकों को खुशी दी है। मैं कप्तान हरमनप्रीत सिंह, दिग्गज पीआर श्रीजेश और पूरी टीम को उनकी ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई देना चाहता हूं। हॉकी इंडिया हमारे एथलीटों का समर्थन करने और भारत में हॉकी के विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

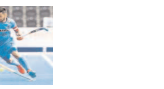

ओलंपिक के कारण सर्जरी टाल रहा था लेकिन अब फैसला लेना होगा : नीरज चोपड़ा

पेरिस,(एजेंसी)।

भारत के भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने ओलंपिक में रजत पदक जीतने के बाद अपनी चोट का खुलासा करते हुए कहा कि उन्हें यहां प्रतिस्पर्धा करने के लिए कड़ी मेहनत करने के बाद जल्द ही सर्जरी करानी पड़ सकती है।

नीरज पेरिस खेलों से पहले जांघ के भीतरी हिस्से की मांसपेशी में (एडक्टर) परेशानी से जूझते आये हैं। उन्होंने हालांकि गुरुवार को सत्र के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास 89.45 मीटर के साथ रजत पदक हासिल किया। वह दो ओलंपिक पदक जीतने वाले भारत के पहले ट्रैक एवं फील्ड एथलीट बन गए। उन्होंने तोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता था।

नीरज पाकिस्तान के अरशद नदीम से पीछे रहे, जिन्होंने 92.97 मीटर के ओलंपिक रिकॉर्ड थ्रो के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। नदीम इसके साथ ही पाकिस्तान के पहले व्यक्तिगत ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता बन गए।

नीरज ने कहा, ''मेरे दिमाग में काफी कुछ चल रहा था। जब मैं थ्रो कर रहा होता हूं तो मेरा 60-70 प्रतिशत ध्यान चोट पर होता है। मैं चोटिल नहीं होना चाहता था। जब भी मैं थ्रो करने जा रहा था तो आपने देखा होगा कि मेरी गति कम थी।''

प्रधानमंत्री ने चोट के बावजूद दूसरा ओलंपिक पदक जीतने के लिए नीरज की सराहना की

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को भारतीय भाला फेंक सुपरस्टार नीरज चोपड़ा को चोट से जूझने के बावजूद अपना दूसरा ओलंपिक पदक जीतने करने पर बधाई दी।प्रधानमंत्री ने नीरज के साथ फोन पर बातचीत के दौरान पाकिस्तान के अरशद नदीम के बारे में टिप्पणियों के लिए उनकी मां सरोज देवी की भी सराहना की। सरोज ने ओलंपिक रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीतने वाले नदीम के लिए खुशी व्यक्त करते हुए उसे 'अपने बेटे जैसा' बताया था।नीरज ने प्रधानमंत्री को बताया कि चोट के कारण वह स्वर्ण पदक हासिल करने से चूक गये।मोदी ने उनसे स्वर्ण पदक चूकने पर ध्यान नहीं देने की सलाह देते हुए कहा कि बहुत कम खिलाड़ियों को दो ओलंपिक पदक जीतने का गौरव प्राप्त होता है।मोदी ने कहा, ''आपने चोट के बावजूद यह उपलब्धि हासिल की है, जो अविश्वसनीय है। यह हमारी युवा पीढ़ी को प्रेरित करेगा। देश के लिए कुछ करने का यही जज्बा हमें प्रेरित करता है।''उन्होंने कहा कि वह नीरज की चोट पर विस्तार से चर्चा करना चाहेंगे ताकि यह पता लगाया जा सके कि आगे चलकर इसे कैसे बेहतर तरीके से प्रबंधित किया जा सकता है।नीरज ने कहा कि वह कड़ी मेहनत करना जारी रखेंगे और आगामी खेल आयोजनों में बेहतर प्रदर्शन करेंगे।तोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता नीरज ने 89.45 मीटर का थ्रो फेंककर पेरिस में रजत पदक हासिल किया। नीरज लगातार दो ओलंपिक व्यक्तिगत स्पर्धा का पदक जीतने वाले तीसरे और ट्रैक एवं फील्ड के पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए।नदीम ने 92.97 मीटर के थ्रो के साथ ओलंपिक रिकॉर्ड कायम करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया।प्रधानमंत्री ने इससे पहले 'एक्स' पर लिखा था कि नीरज उत्कृष्टता के साकार रूप हैं।मोदी ने उन्हें बधाई देते हुए लिखा, ''नीरज चोपड़ा उत्कृष्टता का साकार रूप हैं। बार बार उन्होंने अपनी श्रेष्ठता की बानगी दी है। भारत हर्षित है कि उन्होंने एक बार फिर ओलंपिक में सफलता पाई है।''उन्होंने कहा, ''रजत जीतने पर उन्हें बधाई। वह आने वाले असंख्य एथलीटों को अपने सपने पूरे करने और देश को गौरवान्वित करने के लिये प्रेरित करते रहेंगे।''अपने बेटे के रजत पदक से खुश नीरज की मां सरोज देवी ने स्वर्ण पदक विजेता नदीम के लिए भी खुशी व्यक्त की और कहा कि वह भी उनके 'बच्चा' जैसा है।

उन्होंने 2023 विश्व चैम्पियनशिप का जिक्र करते हुए कहा, ''डॉक्टर ने मुझे पहले ही सर्जरी करने के लिए कहा था लेकिन मेरे पास विश्व चैंपियनशिप से पहले या बाद में इतना समय नहीं था। ओलंपिक की तैयारी में बहुत समय लगता है।'' नीरज ने इस विश्व चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था।

अपनी सर्वश्रेष्ठ स्थिति में नहीं होने के बाद भी नीरज लगातार दो ओलंपिक में पदक जीतने वाले तीसरे भारतीय बने। उनसे पहले सुशील कुमार (कुश्ती) और पीवी सिंधू (बैडमिंटन) ने यह कारनामा किया है।

नीरज ने निराशा भरे लहजे में कहा, ''मैंने अब भी इसे जारी रखा है।'' उन्होंने कहा, ''खेल में यह अच्छी स्थिति नहीं होती है। आप अगर लंबा करियर चाहते हैं तो आपको फिट और स्वस्थ रहना होगा। इस स्तर की प्रतियोगिताओं के कारण कई बार आप निर्णय नहीं ले सकते। अब हम इस पर काम करेंगे और तकनीक में भी सुधार करेंगे।''उन्होंने कहा कि वह इस मसले पर अपनी टीम से चर्चा कर 'कोई फैसला करेंगे'। उन्होंने यह भी बताया कि फिटनेस के मामले में पिछले सात साल उनके लिए कितने कठिन रहे हैं। उन्होंने कहा, ''मुझे 2017 में यह दर्द महसूस हुआ। उसके बाद मैंने बहुत इलाज करवाया। लेकिन इसके लिए मुझे एक बड़ा फैसला लेना होगा।''

नीरज ने 90 मीटर की दूरी का जिक्र किये बिना कहा कि उनके पास और बड़ा थ्रो करने की क्षमता है। नीरज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2022 में आया था जब उन्होंने 89.94 मीटर की दूरी हासिल की थी। उन्होंने कहा, ''मैंने 2016 अच्छी दूरी तय की और फिर 2018 में मैंने एशियाई खेलों में 88 मीटर का थ्रो किया था। उसके बाद मुझे लगता है कि इसमें काफी सुधार कर सकता हूं। इसलिए, जब तक ऐसा नहीं होता, मैं इस कोशिश को जारी रखूंगा। मैं आपको बताना चाहता हूं मेरा पास काफी अधिक क्षमता है।''उन्होंने कहा, ''और मैं यह करूंगा। मैं अपने दिमाग को भविष्य के लिए तैयार रखूंगा। मैं चीजों पर काम करूंगा। मैं खुद को फिट रखूंगा।'' उन्होंने कहा कि इस चोट के कारण उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ा है।इस खिलाड़ी ने कहा, ''मैं अपनी पूरी रन अप के साथ भाला नहीं फेंक पा रहा था। मैं पिछले एक-दो साल से कम रन अप के साथ प्रयास कर रहा हूं। अभ्यास में खिलाड़ी एक सत्र में 40-50 थ्रो करते है लेकिन चोटिल होने के डर के कारण मुझे ऐसा करने में दो-तीन सप्ताह लग गये।''

समापन समारोह में भारतीय दल के ध्वजवाहक होंगे पीआर श्रीजेश, मनु भाकर

नई दिल्ली। बुधवार को फ्रांस की राजधानी में स्पेन को 2-1 से हराकर कांस्य पदक के साथ अपना अभियान समाप्त करने वाली भारतीय हॉकी टीम के गोलकीपर पीआर श्रीजेश 11 अगस्त को पेरिस 2024 ओलंपिक के समापन समारोह के दौरान मनु भाकर के साथ भारत के ध्वजवाहक होंगे। 36 वर्षीय श्रीजेश 2021 में टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली टीम के भी सदस्य थे।

आईओए ने एक आधिकारिक बयान में कहा, भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) को पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों के समापन समारोह में पिस्टल निशानेबाज मनु भाकर के साथ संयुक्त ध्वजवाहक के रूप में हॉकी गोलकीपर पीआर श्रीजेश के नामांकन की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है।आईओए अध्यक्ष डॉ पीटी उषा ने कहा कि श्रीजेश आईओए नेतृत्व के भीतर एक भावनात्मक और लोकप्रिय पसंद थे, जिसमें शेफ डी मिशन गगन नारंग और संपूर्ण भारतीय दल शामिल थे। उन्होंने कहा, श्रीजेश ने दो दशकों से अधिक समय तक विशेष रूप से भारतीय हॉकी और सामान्य तौर पर भारतीय खेल की सराहनीय सेवा की है।डॉ. उषा ने कहा कि उन्होंने भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा से बात की है, जिन्होंने गुरुवार को रजत पदक जीतकर लगातार ओलंपिक खेलों में दूसरा पदक जीता है। उन्होंने कहा, मैंने नीरज चोपड़ा से बात की और उस सहजता और शालीनता की सराहना की जिसके साथ वह इस बात पर सहमत हुए कि श्रीजेश को समापन समारोह में ध्वजवाहक होना चाहिए। उन्होंने मुझसे कहा, %मैम, अगर आपने मुझसे नहीं भी पूछा होता तो भी मैं श्रीभाई का नाम सुझाता।बता दें कि कुछ दिन पहले ही मनु के नाम का ऐलान हुआ था। भारत की आजादी के बाद वह एक ही ओलंपिक खेलों में कई पदक जीतने वाली पहली एथलीट बनीं। उन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल महिला और 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम (सरबजोत सिंह के साथ) में कांस्य पदक जीता था।

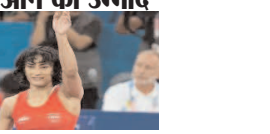

सीएएस को विनेश फोगाट मामले में ओलंपिक खेल समाप्त होने से पहले फैसला आने की उम्मीद

पेरिस। भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट के मामले में कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट्स (सीएएस) ने बड़ा अपडेट दिया है। सीएएस ने बताया है कि विनेश फोगाट की अयोग्यता के खिलाफ उनकी याचिका पर फैसला ओलंपिक खेलों के समाप्त होने से पहले आने की उम्मीद है।

कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट्स (सीएएस) ने शुक्रवार को एक बयान में बताया कि भारतीय पहलवान विनेश फोगाट की ओर से 7 अगस्त को 16ः45 सीईएसटी (टाइम) पर सीएएस एड हॉक डिवीजन में एक अपील दायर की गई थी। विनेश ने सीएएस एड हॉक डिवीजन से चुनौती दिए गए निर्णय को रद्द करने और अंतिम मैच से पहले एक बार और वजन मापने का आदेश देने के साथ-साथ उन्हें फाइनल में भाग लेने के लिए योग्य घोषित किए जाने की मांग की थी। हालांकि, उन्होंने तत्काल अंतरिम उपायों का अनुरोध नहीं किया। सीएएस एड हॉक डिवीजन प्रक्रिया तेज है, लेकिन एक घंटे के भीतर योग्यता पर निर्णय जारी

करना संभव नहीं था, यह ध्यान में रखते हुए कि प्रतिवादी यूडब्ल्यूडब्ल्यू को पहले सुनना होगा। हालांकि, प्रक्रिया चल रही है और आवेदक ने पुष्टि की है कि वह चुनौती दिए गए निर्णय को रद्द करना चाहती है और वह एक (संयुक्त) रजत पदक से सम्मानित होने का अनुरोध करती है। सीएएस के अनुसार इस मामले को डॉ. एनाबेले बेनेट एसी एससी (ऑस्ट्रेल?या) को भेजा गया है, जो एकमात्र मध्यस्थ के रूप में पक्षों के साथ सुनवाई करेंगे। एकमात्र मध्यस्थ का निर्णय ओलंपिक खेलों की समाप्ति से पहले जारी होने की उम्मीद है।

अब कांस्य पदक का मैच खेलेंगे, अंशु बाहर

पहलवान अमन सहरावत सेमीफाइनल में हारे

पेरिस,(एजेंसी)।

भारत के युवा पहलवान अमन सहरावत पेरिस ओलंपिक के पुरुषों के 57 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग के शुरूआती दो मुकाबले तकनीकी श्रेष्ठता से जीतने के बाद बृहस्पतिवार को यहां जापान के शीर्ष वरीय रेई हिगुची से एकतरफा सेमीफाइनल में पराजित हो गये जिससे अब कांस्य पदक का मैच खेलेंगे।

रियो ओलंपिक के रजत पदक विजेता जापान के अनुभवी पहलवान हिगुची ने पहले ही राउंड में दो मिनट के अंदर तकनीकी श्रेष्ठता से आसानी से 10-0 से जीत दर्ज की।छत्रसाल अखाड़े के प्रतिभाशाली पहलवान अमन ने प्री क्वार्टरफाइनल और क्वार्टरफाइनल में दमदार प्रदर्शन किया था। पर हिगुची के खिलाफ आक्रामक खेल नहीं दिखा पाये और एक भी अंक नहीं जुटा सके।

अब वह शुक्रवार को रात 10.45 बजे कांस्य पदक के मैच में पुअर्तो रिको के

डारियान टोई क्रूज से भिड़ेंगे।

अमन ने क्वार्टरफाइनल में अल्बेनिया के जेलिमखान अबाकारोव पर तकनीकी श्रेष्ठता (12-0) की जीत से सेमीफाइनल में पहुंचकर कुश्ती में देश की पदक की उम्मीद जगायी।

एशियाई चैंपियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता और ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाले देश के एकमात्र पुरुष पहलवान अमन ने क्वार्टर फाइनल में अबाकारोव पर आसानी से जीत हासिल की। पहले राउंड में अबाकारोव की 'पैसिविटी' (निष्क्रियता) के कारण एक अंक और फिर 'टेक डाउन' से दो अंक हासिल किये।दूसरे राउंड में भी पूर्व विश्व चैंपियन अबाकारोव का यही हाल रहा जिसके बाद भारत के 21 वर्षीय युवा पहलवान ने फितले बांधने (दोनों पैर पकड़कर कई बार घुमाना) की कोशिश और कामयाब भी हुए। इस तरह उन्होंने लगातार आठ अंक जुटाये और 10 से ज्यादा अंक जुटाकर तकनीकी श्रेष्ठता से जीत गये। पर अबाकारोव ने अंत में मिले दो अंक को चुनौती दी लेकिन रैफरी ने अमन के पक्ष में फैसला किया जिससे उन्हें एक और अंक मिला।

इससे पहले अमन उत्तर मैसेडोनिया के प्रतिद्वंद्वी व्लादिमीर इगोरोव के खिलाफ प्रभावशाली प्रदर्शन के बूते क्वार्टर फाइनल में पहुंचे। मुकाबले के दौरान अमन काफी फुर्तीले दिखे और उन्होंने अपना डिफेंस बरकरार रखते हुए पूर्व यूरोपीय चैम्पियन पर तकनीकी दक्षता के आधार पर 10-0 से जीत हासिल की।

पहले राउंड में 29 वर्षीय इगोरोव थोड़े परेशान दिखे और अमन के 'आल ऑउट' आक्रमण के बाद उन्हें घुटने के लिए चिकित्सा लेनी पड़ी।

अमन ने प्रतिद्वंद्वी को वापसी नहीं करने दी। अमन ने 'टेकडाउन' करके दो और अंक जुटाये और 10-0 से बढ़त बना ली जबकि अभी मुकाबला खत्म होने में दो मिनट बाकी थे।महिलाओं की 57 किग्रा स्पर्धा में अंशु मलिक हारीं, रेपेचेज की उम्मीद टूटी-अपने दूसरे ओलंपिक में हिस्सा ले रही भारतीय महिला पहलवान अंशु मलिक 57 किग्रा फ्रीस्टाइल स्पर्धा के प्रीक्वार्टर फाइनल में अपने से अनुभवी दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और पांचवीं वरीय हेलेन लुसी मैरोयूलिस से 2-7 से हार गईं।अंशु के रेपेचेज में खेलने के लिए मैरोयूलिस को फाइनल तक पहुंचना था लेकिन ऐसा नहीं हो सका।

मैरोयूलिस सेमीफाइनल में जापान की सुगुमी साकुराई से 4-10 से हार गईं।प्री क्वार्टरफाइनल के पहले राउंड में अमेरिका की रियो ओलंपिक की स्वर्ण पदक और तोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता पहलवान मैरोयूलिस ने शुरू से दबदबा बनाते हुए बढ़त हासिल की। इसमें अंशु काफी 'डिफेंसिव' लग रही थी, पर उन्होंने दुनिया की इस मशहूर पहलवान को और अंक नहीं बनाने दिये।

उमरपाड़ा तालुक के लोगों को उकाई बांध से सिंचाई का पानी उपलब्ध कराने की परियोजना का 80 प्रतिशत पूरा हो चुका है- विधायक गणपत सिंह वसावा

सूरत। वित्त एवं ऊर्जा मंत्री कनुभाई देसाई की अध्यक्षता में सूरत जिले के उमरपाड़ा तालुका मुख्यालय में राज्य जनजातीय विकास विभाग द्वारा 9 अगस्त को चविश्व आदिवासी दिवसज्का एक भव्य उत्सव आयोजित किया गया। इस अवसर पर मंत्री एवं विधायक श्री गणपतभाई वसावा ने देवमोगरा माता की पूजा-अर्चना कर कार्यक्रम की शुरुआत की।

इस मौके पर वित्त मंत्री ने सभी को संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित 'विश्व आदिवासी दिवस' की शुभकामनाएं दीं और कहा कि राज्य सरकार आदिवासी समाज के सर्वांगीण विकास, नई पीढ़ी को उनकी गहरी संस्कृति और पारंपरिक विरासत का विश्वास दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है।

यह कहते हुए कि राज्य सरकार ने सूरत जिले के आंतरिक क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य और आवास के लिए पक्के आवास सहित कई विकासात्मक योजनाएं लागू की हैं, ऊर्जा मंत्री ने कहा कि आदिवासी समाज एक ऐसा समाज है जो प्रकृति का संरक्षण और पोषण करता है। उन्होंने बदलते समय के साथ अपनी पहचान और संस्कृति को बचाए रखने का आग्रह किया। आदिवासी समुदाय के बेटे-बेटियाँ राज्य सरकार की छात्रवृत्ति, चिकित्सा अध्ययन सहायता, विदेश में अध्ययन, पायलट योजनाओं जैसी विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित होकर उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा कि राज्य का आदिवासी समाज समग्र और ठोस विकास की ओर बढ़े इस दिशा में गुजरात पूरे देश में अग्रणी रहा है. जनजातीय समुदायों का आर्थिक विकास, स्वास्थ्य, आवास, पेयजल, सड़क और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाएं और सेवाएं ठोस योजना के माध्यम से प्रदान की जा रही हैं। इस अवसर पर विधायक श्री गणपतभाई वसावा ने कहा कि बदलते समय के साथ आदिवासी समुदाय अपनी पहचान और संस्कृति को बचाकर अन्य समुदायों के बराबर हो गया है. आदिवासी समाज की नई पीढ़ी शिक्षा और संस्कार के साथ आगे बढ़ रही है।

आदिवासी आदिकाल से रहने वाले मूल निवासी हैं, जिनके विकास के लिए तत्कालीन मुख्यमंत्री और अब प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी ने वनबंधु कल्याण योजना लागू की और करोड़ों विकास कार्य किये. नर्मदा में 350 करोड़ रुपये की लागत से बिरसा मुंडा विश्वविद्यालय और केवड़िया में 100 करोड़ रुपये की लागत से संग्रहालय बनाया जा रहा है। उमरपाड़ा तालुका में उकाई को सिंचाई का पानी उपलब्ध कराने के लिए 750 करोड़ की लागत वाली परियोजना चल रही है, जिसका 80 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। इस परियोजना के पूरा होने के बाद उमरपाड़ा के लोगों को पानी की बेहतरीन सुविधा मिलेगी।

उन्होंने आगे कहा कि आदिवासी समाज का दिव्य एवं गौरवशाली इतिहास रहा है. आजादी की लड़ाई में अनेक आदिवासियों ने अपने प्राणों की आहुति दी है। इस मौके पर उन्होंने आदिवासी सपूत बिरसा मुंडा, मानगढ़ के महानायकश्री गुरु गोबिंद जैसे कई नवलोहिया स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद किया।

मूवी फ़ेम IPS मनोज शर्मा ने लक्ष्मीपति का दौरा किया

सुरत भुमि, सूरत। 12th फेल मूवी फ़ेम IPS मनोज शर्मा एवं उनकी धर्मपत्नी श्रद्धा शर्मा ने रिंग रोड़ के मिलेनियम मार्केट स्थित लक्ष्मीपति हाउस का दौरा किया। लक्ष्मीपति परिवार की ओर से हार्दिक संजय सरावगी ने उनका स्वागत किया। इस दौरान उन्हींने साड़ियों के डिज़ाइन देखी एवं प्रोसेस के बारे में जाना साथ ही अपने जीवन के अनुभव भी सांझा किए।

मांडवी में भगवान बिरसा मुंडा की पूर्ण आकार की प्रतिमा का अनावरण किया गया

सूरत। राज्य के जनजातीय विकास, श्रम और रोजगार तथा ग्रामीण विकास राज्य मंत्री कुंवरजीभाई हलपति और बारडोली सांसद प्रभुभाई वसावा ने मांडविना में धोबनी नाके द्वारा तैयार की गई भगवान बिरसा मुंडा की पूर्ण आकार की प्रतिमा का अनावरण किया।

मंत्री कुँवरजीभाई हलपति और सांसद प्रभुभाई वासवानी 09 अगस्त को मांडवी में विश्व आदिवासी दिवस के समारोह में उपस्थित थे। आदिवासी समाज में प्रमुख स्थान रखने वाले और देश भर के आदिवासियों द्वारा भगवान के रूप में पूजे जाने वाले भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा बनाने की जनभावना को पूरा करने के लिए भगवान बिरसा मुंडा की एक पूर्ण आकार की प्रतिमा का अनावरण किया गया।

मंत्री और सांसद ने आदिवासी समुदाय की पारंपरिक पूजा पद्धति का पालन करते हुए, प्रकृति पूजा और आदिवासी समुदाय के देवी-देवताओं की पूजा करते हुए प्रतिमा का अनावरण किया।

इस अवसर पर आदिवासी समाज के विभिन्न सांस्कृतिक समूहों ने पारंपरिक वाद्ययंत्रों और पारंपरिक गीतों की धुन पर पूजा समारोह पूरा किया। प्रतिमा के अनावरण के दौरान मंत्री और सांसद समेत सरकारी अधिकारी, नेता, पदाधिकारी और नागरिक मौजूद रहे।

ग्रिपॉन इंफ्रास्ट्रक्चर ने नेक्स्ट जेनरेशन JSW स्टील का नया स्टील उत्पाद मैगश्योर लॉन्च किया

सूरत।

भविष्य के स्टील संरचनाओं के लिए जेएसडब्ल्यू स्टील का इनोवेशन कोटेड स्टील उत्पाद मैगश्योर सूरत में ग्रिपॉन इंफ्रास्ट्रक्चर द्वारा आयोजित सेमिनार में लॉन्च किया गया। इस अवसर पर सेमिनार में 2014 से स्थापित ग्रिपॉन इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के साथ-साथ इस नए नवाचार पर विस्तार से जानकारी दी गई।

इस बारे में ग्रिपॉन इंफ्रास्ट्रक्चर के अभिषेक कोठारी ने बताया कि ग्रिपॉन इंफ्रास्ट्रक्चर की स्थापना 2014 में अहमदाबाद में अभिषेक कोठारी, ऋषभ कांकरिया, सागर चोपड़ा, अभिनंदन कोठारी और राज चोपड़ा ने की थी और नए पार्टनर मयंक जैन के साथ इसका विस्तार सूरत में किया गया है। एक अग्रणी JSW हृश्वरू के रूप में ग्रिपोन निजी, सार्वजनिक और सरकारी क्षेत्रों में विभिन्न औद्योगिक परियोजनाओं में शामिल है। वे अपने बुनियादी ढांचे के विकास में विशेष रूप से JSW उत्पादों का उपयोग करते हैं और पुराने औद्योगिक शेडों की छत और प्रतिस्थापन में अग्रणी हैं।

टेक्नोलॉजी संचालित नवाचार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप ग्रिपॉन ने स्टील संरचनाओं में JSW के नेक्स्ट जेनरेशन के मैगश्योर को लॉन्च किया है। एक नज़र में, कोल्ड-रोल्ड स्टील पर जिंक मैग्नीशियम और एल्यूमीनियम के साथ कोटेड किया जाता है। JSW मेक इन इंडिया उत्पाद के रूप में मैगश्योर प्रकार की कोटिंग सामग्री का पहला भारतीय निर्माता है, जो पहले केवल आयात के रूप में उपलब्ध था। यह उत्पाद सभी परिस्थितियों में मानक कोटेड स्टील से बेहतर प्रदर्शन करता है। इस नए इनोवेशन को JSW कोटेड डिवीजन के सेल्स एंड मार्केटिंग के वाइस प्रेसिडेंट श्री संदीप खन्ना ने सेमिनार में पेश किया।

इस अवसर पर गुजरात के विभिन्न शहरों जैसे अहमदाबाद, वडोदरा, वापी, वलसाड, भरूच, कच्छ, राजकोट से संरचनात्मक सलाहकार, आर्किटेक्ट, उद्योगपति और इंजीनियरों सहित 300 से अधिक लोग उपस्थित थे। सेमिनार में JSW स्टील के नए आविष्कारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। ग्रिपॉन इंफ्रास्ट्रक्चर की स्थापना के बाद से उसके विकास और कंपनी ने जिन परियोजनाओं पर काम किया है और कर रही है, उनके बारे में भी जानकारी दी गई।

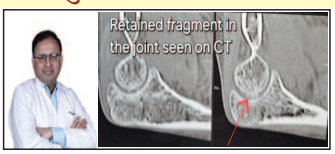

मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने ओपन एल्बो रिलीज सर्जरी की मदद से अपनी कोहनी को हिलाने-डुलाने में असमर्थ मरीज का सफलतापूर्वक इलाज किया

सुरत भुमि, अहमदाबाद। मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने ओपन एल्बो रिलीज सर्जरी की मदद से दो युवतियों की कोहनी की अकड़न का सफलतापूर्वक इलाज किया, ताकि उनकी कोहनी को पहले की तरह हिलाने-डुलाने में सक्षम बनाया जा सके। इस सर्जरी से पहले फिजियोथेरेपी, दवाइयां और वैकल्पिक चिकित्सा जैसे हर तरह के पारंपरिक उपचार बेअसर साबित हो चुके थे। मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल, अहमदाबाद में ऑर्थोपेडिक ट्रॉमा प्रोग्राम के प्रमुख, डॉ. प्रणव शाह ने इस टीम की अगुवाई की।

32 साल की सुनैना पटेल (बदला हुआ नाम) को शुरुआत में कोहनी में चोट लगी थी और उनके होमटाउन के स्थानीय अस्पताल में उनकी सर्जरी हुई थी। शुरुआती इलाज के बावजूद, वह अपनी कोहनी को पहले की तरह हिलाने-डुलाने पाने में असमर्थ थी और उनकी कोहनी में अकड़न आ गई थी। इसकी वजह से उनके लिए उस हाथ से गाड़ी चलाना या रोज़मर्रा के काम-काज करना बेहद मुश्किल हो गया था। खुद को लाचार महसूस करते हुए, उन्होंने कई डॉक्टरों से मदद मांगी, एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल गई, और उन्होंने कुल मिलाकर 6-7 अस्पतालों के चक्कर काटे, लेकिन उन्हें इस समस्या का कोई समाधान नहीं मिला। इसके बाद वह डॉ. प्रणव शाह की निगरानी में आगे की सर्जरी के लिए मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल पहुंची। अच्छी तरह से की गई सर्जरी (आर्थ्रोलिसिस) और पर्सनलाइज्ड रिहैब प्रोग्राम के साथ धीरे-धीरे उनकी कोहनी फिर से पहले की तरह मुड़ने लगी। इलाज की विशेष प्रक्रिया से गुजरने के बाद, उन्होंने अपनी कोहनी की काम-काज की क्षमता में जबरदस्त सुधार महसूस किया, जो समय के साथ और भी बेहतर हो जाएगा।

इसी तरह के एक और मामले में, एक छोटे कस्बे की 34 वर्षीय युवती की कोहनी गंभीर रूप से खराब हो गई थी। इस मामले में भी, उनके हाथ को पहले की तरह हिलाने-डुलाने में सक्षम बनाने के लिए ओपन एल्बो रिलीज सर्जरी की गई। शुरुआत में उनके होमटाउन में उनका उपचार किया गया, लेकिन इसके बाद उनकी कोहनी में गंभीर अकड़न की समस्या सामने आई और उसे पूरी तरह हिलाना-डुलाना संभव नहीं हो पा रहा था। लंबे समय तक फिजियोथेरेपी के उपचार के बावजूद उनकी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ, जिससे उन्हें शारीरिक रूप से और जज़्बाती तौर पर परेशानी महसूस होने लगी। फिर उन्हें डॉ. प्रणव के पास लाया गया, जहाँ उन्हें इस तरीके से इलाज करने की सलाह दी गई।

ऐसे मामलों में, खास तौर पर युवा मरीजों के लिए जख्म के निशान को कम करना एक चुनौती बनी हुई है। सामान्य तरीकों से की जाने वाली सर्जरी में कोहनी के चारों तरफ कई चीरे लगाए जाते हैं, जिसकी वजह से ज़ख्म के कई निशान साफ तौर पर दिखाई देते हैं। ऑर्थोपेडिक ट्रॉमा प्रोग्राम के प्रमुख, डॉ. प्रणव शाह कहते हैं, "कोहनी की अकड़न के इलाज के लिए आर्थ्रोलिसिस बेहद कारगर तरीका है, जो चोट लगने, सर्जरी या पुरानी बीमारियों की वजह से हो सकती है। इस प्रक्रिया में कोहनी के जोड़ के आसपास सिकुड़े हुए टिश्यू को बड़ी सावधानी से मुक्त करके, हम इसे काफी हद तक पहले की तरह हिलने-डुलने में सक्षम बना सकते हैं और कुल मिलाकर इसके काम-काज की क्षमता में सुधार कर सकते हैं। इस प्रक्रिया के लिए सर्जरी की तकनीक को बड़ी सावधानी से लागू करना पड़ता है, ताकि कम-से-कम जोखिम के साथ कोहनी की अकड़न से जुड़ी सभी वजहों को दूर किया जा सके। एल्बो 'वाइंट तीन प्रमुख नर्व्स तथा दो प्रमुख वेसल्स से घिरा होता है, और इन सभी को किसी भी तरह के नुकसान से बचाने के लिए उच्च स्तर की विशेषज्ञता और सटीकता की जरूरत होती है। ऑपरेशन के बाद मरीज की हालात को बेहतर बनाने पर विशेष ध्यान देने वाला हमारा रिहैबिलिटेशन प्रोग्राम भी उतना ही महत्वपूर्ण है, जिसमें जरूरत पड़ने पर फिजिकल थेरेपी के साथ-साथ रेडिएशन की डोज भी शामिल है। इलाज की इस विधि में सभी पहलुओं को ध्यान में रखा जाता है ताकि हमारे मरीजों को संभावित रूप से सबसे बेहतर नतीजे प्राप्त हों, और वे एक बार फिर से पहले की तरह काम करने और बेहतर जिंदगी बिताने में सक्षम हो सकें। डॉक्टरों की टीम के लिए, अपने मरीजों को फिर से पहले की तरह बेहतर जिंदगी बिताते हुए देखने से अधिक सुकून भरा एहसास और कुछ नहीं है।"

माईट्राइडेंट ने अपने रिटेल टचपॉइंट्स को दोगुना करके वित्त वर्ष 25 में 40% की वृद्धि का लक्ष्य रखा

नई दिल्ली। ट्राइडेंट ग्रुप के प्रमुख घरेलू होम फर्निशिंग ब्रांड माईट्राइडेंट ने आज नई दिल्ली के एरोसिटी स्थित अंदाज़ में अपने फॉल-विंटर '24 कलेक्शन का अनावरण किया। ट्राइडेंट ग्रुप के चेयरमैन एमेरिटस डॉ. राजिंदर गुप्ता ने 'होम कमिंग' थीम के तहत 1500 से अधिक रिटेलर्स को संबोधित करते हुए पांच दिवसीय एसोसिएट मीट का उद्घाटन किया।

माईट्राइडेंट एक महत्वपूर्ण विकास के प्रक्षेप पथ को लक्षित कर रहा है, जिसका लक्ष्य अपनी रिटेल उपस्थिति का विस्तार करके और मौजूदा बाजारों में अपनी पैठ मजबूत करके अगले 3 वर्षों में अपने राजस्व को दोगुना करके 1000 करोड़ रुपये से अधिक करना है। ब्रांड की विकास रणनीति सभी प्रमुख महानगरों, टियर 2 और 2 शहरों में ऑफ़लाइन और ऑनलाइन दोनों के माध्यम से अपनी उपस्थिति को बढ़ाना और क्विक कॉमर्स में अपनी स्थिति को और अधिक मजबूत करना है।

"हम आने वाले महीनों में एक महत्वपूर्ण वृद्धि को लक्षित कर रहे हैं, जिसमें नए बाजारों में प्रवेश करने और मौजूदा बाजारों में अपनी पैठ मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। हमारा विज़न है, 'घर-घर में माईट्राइडेंट', और हम हर रिटेल टच पॉइंट पर उपलब्ध माईट्राइडेंट उत्पादों के साथ पूरे भारत में पैठ बनाना चाहते हैं। हमारा लक्ष्य 40% की दर से बढ़ना, अपने राजस्व को दोगुना करना और अपने बाजार हिस्से को बढ़ाना है", माईट्राइडेंट की चेयरपर्सन नेहा गुप्ता बेक्टर ने कहा।

रजनीश भाटिया, सीईओ, माईट्राइडेंट ने कहा, "हमारा लक्ष्य अपने रिटेल टचपॉइंट को दोगुना करके माईट्राइडेंट उत्पादों को व्यापक दर्शकों तक पहुंचाना है। हम बड़े प्रारूप वाले स्टोर में अपनी उपस्थिति का विस्तार करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और इस वर्ष के लिए हमारा विशेष ध्यान क्विक कॉमर्स पर है। हमारी रणनीति ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से अपनी स्थिति को मजबूत करना है। वर्तमान में, हमारे उत्पाद लगभग 5,000 आउटलेट में उपलब्ध हैं, और हमारा लक्ष्य अगले तीन वर्षों के भीतर इस संख्या को दोगुना करके 10,000 करना है।"

इमेजिकावर्ल्ड एंटरटेनमेंट ने पहली तिमाही में 1.7 गुना की बढ़ोतरी के साथ 184 करोड़ रुपये का शानदार राजस्व दर्ज किया

तिमाही के दौरान वित्तीय प्रदर्शन की मुख्य बातें (समेकित)

विवरण (करोड़ रुपये में)	वित्त-वर्ष 25 की पहली तिमाही	वित्त-वर्ष 24 की पहली तिमाही	साल-दर-साल	वित्त-वर्ष 24 की चौथी तिमाही	तिमाही-दर-तिमाही
परिचालन से राजस्व	184.0	104.7*	76%	58.6	214%
EBITDA	110.4	54.4	103%	19.2	475%
EBITDA मार्जिन	60%	52%	810bps	33%	272bps
कर अदायगी से पहले लाभ**	91.3	33.0	276%	5.28	1630%
कर अदायगी के बाद लाभ**	69.1	24.7	179%	10.3	568%
PAT मार्जिन**	37.6%	23.6%	123bps	17.7%	277bps
आगंतुकों की संख्या (लाख में)	12.2	5.56	119%	2.7	341%

* परिचालन राजस्व में SGST रिफंड शामिल है

मुंबई ।

भारत के सबसे बड़े एम्यूजमेंट एवं वॉटर पार्क, इमेजिकावर्ल्ड एंटरटेनमेंट लिमिटेड (बीएसई: 539056; एनएसई: IMAGICAA) ने आज 30 जून, 2024 को समाप्त तिमाही के लिए अपने वित्तीय परिणामों की घोषणा की।

वित्त-वर्ष 25 की पहली तिमाही के प्रदर्शन पर अपने विचार व्यक्त करते हुए, इमेजिकावर्ल्ड एंटरटेनमेंट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री जय मालपानी ने कहा, "वित्त-वर्ष 25 की पहली तिमाही के समापन पर, मुझे पिछले कुछ सालों में रणनीतिक तौर पर पुनर्गठन के बाद हमारी प्रगति के बारे में जानकारी देते हुए बेहद खुशी महसूस हो रही है। हमारे सबसे महत्वपूर्ण एसेट्स— यानी इमेजिका पार्क, वेट-एन-जॉय, हमारे फाइव स्टार होटल, और साई तीर्थ को एक ही छत के नीचे समेकित करके, हमने अपने पोर्टफोलियो के दायरे को बड़ा बनाया है, जो मेहमानों को बेहतरीन अनुभव प्रदान करने के साथ-साथ भारत में मनोरंजन स्थलों के लिए एक नई मिसाल कायम करता है। फिलहाल हम दो राज्यों में और चार अलग-अलग लोकेशन पर अपनी गतिविधियों का संचालन कर रहे हैं, जिसमें पश्चिमी भारत में हमारी पकड़ काफी मजबूत है। हम टियर-1 और टियर-2 श्रेणी के शहरों पर विशेष ध्यान देते हुए, मध्य और उत्तरी भारत में अपने नेटवर्क को बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। इस एकीकरण से हमें सहज तरीके से विस्तार करने में मदद मिलेगी। हम अलग-अलग पार्कों के बीच जुड़ाव के माध्यम से आगंतुकों की संख्या को दोगुना करेंगे, साथ ही लागत में बेहतर तालमेल बनाते हुए संचालन को सुव्यवस्थित करके हम राजस्व और मुनाफ़े में भी शानदार वृद्धि करेंगे। भारत के बदलते आर्थिक हालत में इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास और समझदारी से किए जाने वाले खर्च में बढ़ोतरी शामिल है, हमारी प्रगति को बढ़ाने में सहायक है। हमारी 3C स्ट्रेटजी— शहरी समूहों, कैचमेंट के विस्तार और कनेक्टिविटी पर केंद्रित है, जो हमारे आगंतुकों की बदलती ज़रूरतों को पूरा करने के साथ-साथ निरंतर सफलता को बढ़ावा देती है। आज की भाग-दौड़ भरी दुनिया में, हम परिवारों और दोस्तों के लिए सुकून के पल बिताने और एक-दूसरे से जुड़ने के लिए बिल्कुल सही डेस्टिनेशन की पेशकश करते हैं।"

एक्सिसकेड्स टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने इंजीनियरिंग सेवाओं में प्रगति के कारण, वित्त-वर्ष25 की पहली तिमाही के दौरान शानदार वित्तीय परिणामों की घोषणा की

बेंगलुरु।

देश में एयरोस्पेस, रक्षा, भारी इंजीनियरिंग, ऑटोमोटिव, ऊर्जा, तथा ग्लोबल OEMs को अपनी सेवाएं प्रदान करने वाले सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री को इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलॉजी के संबंध में शुरू से अंत तक के सभी सॉल्यूशंस उपलब्ध कराने वाली कंपनी, एक्सिसकैड्स टेक्नोलॉजीज लिमिटेड (बीएसई: 532395 7 एनएसई: AXISCADES) ने आज 30 जून 2024 को समाप्त तिमाही के लिए अपने वित्तीय परिणामों की घोषणा की।

वित्तीय प्रदर्शन के मुख्य अंश

इस तिमाही के दौरान कंपनी के लिए परिचालन से राजस्व रू223 करोड़ रहा; साल-दर-साल 4.5% की वृद्धि दर्ज की

इस तिमाही के दौरान डॉलर के संदर्भ में कंपनी के लिए राजस्व 26.9 मिलियन डॉलर रहा; साल-दर-साल 2.5% की वृद्धि दर्ज की

कंपनी के लिए कुल ऑर्डर बुक 8 3.2 मिलियन डॉलर थी

इस तिमाही के दौरान कंपनी ने रू31 करोड़ का EBITD दर्ज किया, जो वित्त-वर्ष 24 की पहली की तिमाही में रू33 करोड़ था

EBITDA मार्जिन बढ़कर 13.9त्न तक पहुँच गया; जो वित्त-वर्ष 24 की चौथी तिमाही में 12.6% था

इस तिमाही के दौरान 7.2% के PAT मार्जिन के साथ कंपनी ने रू17 करोड़ का PAT दर्ज किया, जो वित्त-वर्ष 24 की पहली की तिमाही में 2.6%/ रू6 करोड़ था

व्भारतीय सेना को मैन पोर्टेबल काउंटर ड्रोन सिस्टम (MPCDS) की डिलीवरी की दूसरी किश्त पूरी की गई

मौजूदा वित्तीय परिणामों और आगे की संभावनाओं पर अपनी राय जाहिर करते हुए, एक्सिसकैड्स के सीईओ एवं एमडी, श्री अरुण कृष्णमूर्ति ने कहा, "हमें वित्त-वर्ष25 की मजबूत शुरुआत के बारे में जानकारी देते हुए बेहद खुशी हो रही है, जिसमें कुछ क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर मौजूद चुनौतियों और रक्षा क्षेत्र में सुस्ती के बावजूद वित्त-वर्ष 2025 की पहली तिमाही में व्यवसाय में शानदार प्रदर्शन शामिल है। साल-दर-साल 4.5त्न की बढ़ोतरी के साथ कंपनी का राजस्व रू223 करोड़ हो गया, जिसमें रू31 करोड़ का EBITD और रू17 करोड़ का PAT शामिल है। इंजीनियरिंग सेवाओं में साल-दर-साल 15% की बढ़ोतरी से राजस्व में वृद्धि को बढ़ावा मिला, जिसमें एयरोस्पेस, ऑटोमोटिव और ऊर्जा क्षेत्र सबसे आगे थे। रक्षा क्षेत्र में उत्पादन से प्राप्त राजस्व में साल-दर-साल 73% की वृद्धि हुई, साथ में वित्त-वर्ष25 के लिए भी हमारा ऑर्डर बुक काफी मजबूत है, जिसे हमें पूरा करना है। कुल मिलाकर देखा जाए, तो भारी इंजीनियरिंग और PES को छोड़कर कंपनी ने पहली तिमाही के दौरान अधिकांश क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन किया है, क्योंकि उन क्षेत्रों में बड़े स्तर की आर्थिक चुनौतियाँ अभी भी बरकरार हैं।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)